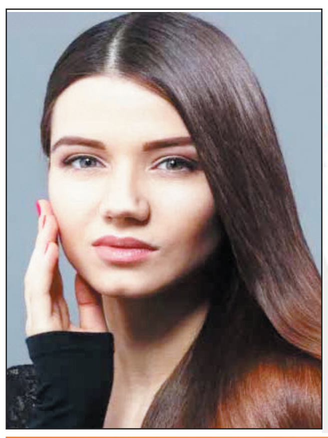


# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रूखे और बेजान बालों को चमकाने के लिए इन नुस्खों का करें पेज: 7

टॉक्सिक में यश के साथ बोल्डसीन वाली खबरों पर पेज: 8



वर्ष : 02 | अंक : 41 | मंगलवार 12 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


## फडणवीस का राहुल गांधी पर तीखा हमला, बोले- भारतीय राजनीति की सबसे अस्वीकृत वस्तु

**महाराष्ट्रः** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तीखी आलोचना करते हुए उन्हें भारतीय राजनीति में सबसे अधिक अस्वीकृत वस्तु करार दिया। यह आलोचना गांधी द्वारा सिकंदराबाद में दिए गए भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सात अपीलों की आलोचना करने के बाद की गई। पत्रकारों को संबोधित करते हुए, फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी को सभी राज्यों के मतदाताओं ने बार-बार नकार दिया है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश प्रधानमंत्री मोदी का दृढ़ता से समर्थन करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी भारतीय राजनीति में सबसे ज्यादा नकारे गए व्यक्ति हैं, हर राज्य में सभी ने उन्हें नकार दिया है। मुझे लगता है कि वे महज एक ऐसा उत्पाद हैं जिसे जनता ने किनारे कर दिया है। लोकतंत्र में, केवल वही मायने रखते हैं जिन्हें जनता स्वीकार करती है। तो, जब राहुल गांधी जैसे व्यक्ति की बात आती है, जिन्हें लगातार नकारा जा रहा है, तो क्या आप वास्तव में उन्हें कोई महत्व देते हैं? राष्ट्र मोदी जी के साथ खड़ा है; राष्ट्र प्रधानमंत्री मोदी के पीछे खड़ा है; और राष्ट्र बार-बार प्रधानमंत्री मोदी को अपना आशीर्वाद देता है। ये टिप्पणियाँ पश्चिम एशिया संकट के जवाब में प्रधानमंत्री की सात अपीलोंह्व की राहुल गांधी की आलोचना के बाद आईं। मोदी की अपीलों में खाद्य तेल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, प्राकृतिक खेती अपनाने और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से उत्पन्न वैश्विक आर्थिक दबावों से निपटने के लिए ईंधन के उपयोग को कम करने का अनुरोध शामिल था। सोमवार को राहुल गांधी ने पर एक पोस्ट में इन अपीलों को उपदेश के बजाय विफलता बताया, और अपने समझौतावादी प्रधानमंत्री वाले लेबल को दोहराते हुए अपनी आलोचना को और तेज कर दिया और दावा किया कि देश का शासन अब प्रधानमंत्री के नियंत्रण में नहीं है।

## वाराणसी से सीएम योगी की हुंकार- 'सनातन धर्म को मिटाने वाले खुद मिट्टी में मिल गए'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वाराणसी में आयोजित 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' को संबोधित करते हुए काशी और सोमनाथ मंदिरों के ऐतिहासिक महत्व पर जोर दिया और इन्हें भारत की सभ्यतागत चेतना की शाश्वत लौ के स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि इतिहास में दोनों मंदिरों पर अनेक हमले हुए हैं और सनातन धर्म को मिटाने के प्रयास असफल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का कार्यक्रम भारत की आध्यात्मिक परंपरा, भारतीय सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मसम्मान के पुनरुत्थान का आह्वान है। सोमनाथ संकल्प महोत्सव इसी दिशा में एक विनम्र प्रयास है। इतिहास हमें एक स्पष्ट संदेश देता है कि सनातन संस्कृति पर हमले हो सकते हैं, लेकिन इसे कभी पराजित नहीं किया जा सकता। बार-बार हुए आक्रमणों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सोमनाथ पर 17 बार आक्रमण करके इसकी महिमा को नष्ट करने का प्रयास किया गया। यह गलत धारणा थी कि मूर्तियों को तोड़कर और मंदिरों को लूटकर भारत की आत्मा को भी नष्ट किया जा सकता है। मोहम्मद गोरी से लेकर मुगलों तक, कई विदेशी आक्रमणकारियों ने हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को मिटाने का प्रयास किया। औरंगजेब ने प्राचीन काशी विश्वनाथ मंदिर को ध्वस्त कर दिया और वहाँ गुलामी का प्रतीक एक ढांचा खड़ा कर दिया।

# सोमनाथ से पीएम मोदी की हुंकार, पोखरण का जिक्र कर बोले-

### दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती

**नई दिल्लीः** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया। भगवान शिव को समर्पित और बारह ज्योतिलिंगों में से एक यह मंदिर, भारत की समृद्ध सभ्यतागत और आध्यात्मिक विरासत को प्रतिबिंबित करने वाले भव्य समारोहों का केंद्र था। यह महोत्सव भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर की प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने हेलीपैड से वीर हमीरजी सर्कल तक एक रोड शो भी किया, जहां लगभग डेढ़ किलोमीटर के इस मार्ग पर हजारों लोग उनका स्वागत करने के लिए जमा हुए। प्रधानमंत्री के गुजरते समय नागरिकों ने झंडे लहराए, नारे लगाए और उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि समय खुद जिनकी इच्छा से प्रकट होता है, जो स्वयं कालातीत हैं, जो स्वयं काल स्वरुप हैं, आज उन देवाधिदेव महादेव की विग्रह प्रतिष्ठा के हम 75 वर्ष मना रहे हैं। ये सृष्टि जिनसे सृजित होती है, जिनमें लय हो जाती है। आज हम उनके धाम के पुनर्निर्माण का उत्सव मना रहे हैं। जो हलाहल पीकर नीलकंठ हो गए, आज उन्हीं की शरण में यहां सोमनाथ अमृत महोत्सव हो रहा है। ये सब भगवान सदाशिव की ही क्रीड़ा है। मोदी ने कहा कि दादा सोमनाथ के अनन्य भक्त के रूप में मैं कितनी बार यहां आया हूं, कितनी ही बार उनके सामने नतमस्तक हुआ हूं। लेकिन आज जब मैं यहां आ रहा था, तो समय की ये यात्रा एक सुखद अनुभूति दे रही थी। उन्होंने कहा कि अभी कुछ ही महीने पहले मैं यहां आया था, तब हम सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रहे थे। प्रथम विध्वंस के 1,000 वर्ष बाद भी सोमनाथ के अविनाशी होने का गर्व और आज इस आधुनिक स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष, हम केवल 2 आयोजनों का हिस्सा भर नहीं बनें, हमें हजार वर्षों की अमृत यात्रा को अनुभव करने का शिवजी ने मौका दिया है। उन्होंने कहा कि 75 साल पहले... आज के ही दिन सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना... ये कोई साधारण अवसर नहीं था। अगर 1947 में भारत आजाद हुआ था... तो, 1951 में सोमनाथ की प्राण प्रतिष्ठा ने... भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था।

## सिर्फ सुर्खियां बटोरने वाला कदम, नई ग्रामीण योजना पर

### जयराम रमेश ने केंद्र सरकार को घेरा

**नई दिल्लीः** कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की आलोचना करते हुए 1 जुलाई से लागू होने वाले वीबी-जी-आरएएम जी अधिनियम, 2025 के कार्यान्वयन को लेकर मंत्रालय पर निशाना साधा। उन्होंने इसे "एक और सुस्त और सनसनीखेज कदम" बताया और आरोप लगाया कि योजना के संचालन संबंधी विवरण अभी तक उपलब्ध नहीं हैं। यह नया कानून महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए), 2005 का स्थान लेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में 125 दिनों के मजदूरी रोजगार की गारंटी देने वाला एक उन्नत ढांचा पेश करेगा। एक्स से बात करते हुए, संचार प्रभारी एआईसीसी महासचिव रमेश ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि नया अधिनियम ग्रामीण श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आज जारी की गई वी बी-जी रैम जी योजना से पहले से ज्ञात जानकारी में कुछ भी नया नहीं जुड़ता। यह एक ऐसी सरकार का एक और आलसी प्रयास है जो सुर्खियां बटोरने में माहिर है। जल्द ही जानकारी जारी करने के अलावा कोई विवरण नहीं दिया गया है। यदि मनरेगा के इस प्रतिस्थापन को 1 जुलाई, 2026 से लागू किया जाना है, तो सभी परिचालन संबंधी विवरण अब तक उपलब्ध होने चाहिए थे। प्रधानमंत्री की 'ईंधन बचाओ' अपील के एक दिन बाद सरकार ने आश्वासन दिया कि पेट्रोल या डीजल की कोई कमी नहीं है। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि योजना को लागू करने से पहले राज्य सरकारों के साथ सार्थक परामर्श किया जाना चाहिए और कहा कि चर्चाएँ केवल औपचारिकता मात्र नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों के साथ इन विवरणों पर सार्वजनिक परामर्श और चर्चाएँ सार्थक तरीके से की जानी चाहिए

## असम में बीजेपी की हैट्रिक पर बोलीं दर्शना जारदोश

### पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरी होंगी उम्मीदें

**असमः** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता दर्शना जरदोश ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की और विश्वास जताया कि असम में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि उम्मीद से अधिक मतदान से विकास और सुशासन के लिए जनता का मजबूत समर्थन झलकता है। पत्रकारों से बात करते हुए जरदोश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की व्यापक सराहना हुई है और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली असम सरकार राज्य में 'हैट्रिक' लगाने के लिए तैयार है। जरदोश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सभी ने सराहना की है और हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार हैट्रिक लगा रही है, जो हमारे लिए खुशी की बात है। उम्मीद से अधिक मतदान हुआ है और इससे यह और भी बेहतर संदेश गया है कि लोग विकास के लिए तैयार हैं। 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे के साथ, यह तीसरी बार सत्ता में आई सरकार जनता की सभी अपेक्षाओं को पूरा करेगी और अच्छा काम भी करेगी। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चोवना मीन ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया और पार्टी कार्यकताओं को बधाई देते हुए पड़ोसी राज्य में पिछले पांच वर्षों में हुए अभूतपूर्व विकास की सराहना की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, सबसे पहले, मैं डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा को बधाई देना चाहता हूं। साथ ही, मैं असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया और उनके नेतृत्व में काम करने वाले प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को भी बधाई देना चाहता हूं... पिछले पांच वर्षों में, असम ने अभूतपूर्व परिवर्तन और विकास देखा है। चाहे औद्योगिक क्षेत्र हो, शिक्षा हो, स्वास्थ्य सेवा हो, सड़क संपर्क हो, हवाई यात्रा हो या रेलवे, समग्र विकास उल्लेखनीय और वास्तव में अभूतपूर्व रहा है... हमारे पड़ोसी राज्य असम में हुए व्यापक विकास का अरुणाचल प्रदेश पर भी निश्चित रूप से महत्वपूर्ण और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस बीच, असम के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि 12 मई को शपथ ग्रहण के बाद नई सरकार का प्राथमिक लक्ष्य भाजपा के घोषणापत्र का कार्यान्वयन होगा।

## जबलपुर नाव हादसा: 13 मौतों का कौन ज़िम्मेदार? उच्च न्यायालय के न्यायाधीश करेंगे जांच

**नई दिल्लीः** मध्यप्रदेश सरकार ने जबलपुर जिले के बरगी बांध में हुए क्रूज नौका हादसे की जांच के लिए एक सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया है। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए रविवार को बताया कि आयोग तीन माह के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित क्रूज नौका 30 अप्रैल को जबलपुर जिले के बरगी बांध में पलट गई थी। हादसे में महिलाओं और बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 28 अन्य को बचा लिया गया था। अधिकारी ने बताया कि रविवार को गठित इस आयोग की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश संजय द्विवेदी करेंगे। आयोग हादसे के कारणों की जांच करेगा, यह देखेगा कि बचाव एवं राहत कार्य पर्याप्त थे या नहीं और जिम्मेदारी तय करेगा। अधिकारी ने बताया कि आयोग अंतदेर्शीय पोत अधिनियम-2021 तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की वर्ष 2017 की नौका सुरक्षा दिशानिदेर्शों के तहत नौकाओं, क्रूज और जल क्रीड़ा गतिविधियों के लेखा परीक्षण एवं प्रमाणीकरण के प्रावधानों का भी अध्ययन करेगा।

## पश्चिम एशिया संकट पर राजनाथ सिंह की बैठक, सरकार का संदेश- ईंधन आपूर्ति है, घबड़ाहट की जरूरत नहीं

**नई दिल्लीः** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मितव्ययिता उपायों की अपील के एक दिन बाद, पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा करने के लिए मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की पांचवीं बैठक सोमवार को हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में हुई इस बैठक में सरकार ने इस संदेश को दोहराया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी के कारण ईंधन आपूर्ति में आई भारी कमी को देखते हुए संसाधनों का संरक्षण करना जरूरी है। बैठक के तुरंत बाद सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मैं लोगों से शांत रहने और किसी भी तरह की घबराहट से बचने का आग्रह करता हूं, क्योंकि सरकार आपूर्ति श्रृंखलाओं में कमी या व्यवधान को रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक व्यवधानों और चुनौतियों का सामना करने में देश की मदद के लिए प्रधानमंत्री मोदी की लोगों की सामूहिक भागीदारी की अपील आत्मनिर्भरता और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। यह कठिन वैश्विक दौर में संरक्षण के बारे में प्रधानमंत्री का व्यापक संदेश है। इस बैठक में तेल एवं पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, जहाजरानी मंत्री सरबानंदा सोनोवाल, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सरकारी अधिकारियों द्वारा आयोजित अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में भी किसी भी प्रकार की घबराहट को दूर करने का प्रयास किया गया, हालांकि रविवार को प्रधानमंत्री की अपील के बाद शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मीडिया को बताया कि वैश्विक बाजार में कीमतों में अस्थिरता के बावजूद, सरकार ने उपभोक्ताओं के लिए न्यूनतम परेशानी सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। रिफाइनरियां इष्टतम स्तर पर काम कर रही हैं और खुदरा दुकानों या एलपीजी आउटलेट्स पर अब तक तेल की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं है।

## पीएम मोदी की सलाह पर केजरीवाल का बड़ा हमला, पूछा- क्या देश में आर्थिक आपातकाल है?

**नई दिल्लीः** आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नागरिकों को एक साल तक सोने पर खर्च न करने और खाना पकाने के तेल की खपत कम करने के सुझाव पर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को देश की अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति बतानी चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी को जनता के सामने सच्चाई रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने देश के सभी नागरिकों को खाने-पीने, यात्रा और पर्यटन पर खर्च कम करने और यहां तक कि सोने और अन्य कीमती वस्तुओं की खरीद पर भी कटौती करने की सलाह दी है। क्या यह आर्थिक आपातकाल का संकेत है? क्या देश गंभीर आर्थिक संकट में डूबा हुआ है? देश में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। प्रधानमंत्री को देश के सामने सच्चाई रखनी चाहिए। आखिर देश की अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति क्या है? आप नेता ने सिकंदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण का जिक्र किया। अपने भाषण में पीएम मोदी ने नागरिकों से आयात पर निर्भरता कम करने, जहां तक संभव हो खाद्य तेल की खपत कम करने और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करने का आग्रह किया ताकि अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और बढ़ती लागत के बीच अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सके। उन्होंने लोगों से एक साल तक सोने की गैर-जरूरी खरीदारी से बचने और विदेश यात्राओं से दूर रहने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, कार-पूलिंग और माल ढुलाई के लिए रेल परिवहन को प्राथमिकता देने और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

## बंगाल का 'मतदाता सूची कांड!

### 31 सीटों पर भाजपा की जीत को लेकर टीएमसी का सुप्रीम कोर्ट में बड़ा दावा

**बंगालः** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में किए गए विलोपन ने पश्चिम बंगाल के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में परिणामों को काफी हद तक प्रभावित किया है। यह दावा सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमलया बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान किया गया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने बताया कि 31 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की टीएमसी पर जीत का अंतर एसआईआर निर्णय प्रक्रिया में मतदाता सूची से हटाए गए व्यक्तियों की संख्या से कम था। उन्होंने आगे कहा कि कई मामलों में हटाए गए व्यक्तियों की संख्या और हार का अंतर लगभग बराबर था। बनर्जी ने बताया कि एक निर्वाचन क्षेत्र में एक उम्मीदवार 862 वोटों से हार गया, जहां निर्णय के लिए 5432 से अधिक व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी और भाजपा के बीच वोटों का अंतर लगभग 32 लाख था और लगभग 35 लाख अपीलें अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष लंबित थीं। सांसद ने न्यायमूर्ति बागची द्वारा पहले की गई उस टिप्पणी का भी हवाला दिया कि यदि जीत का अंतर हटाए गए मतदाताओं की संख्या से कम है, तो मामले की न्यायिक जांच की आवश्यकता हो सकती है। चुनाव आयोग ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि इसका उपाय चुनाव याचिका है और मतदान आयोग को एसआईआर से संबंधित मुद्दों और वोटों के जोड़ने या हटाने के खिलाफ परिणामी अपीलों के लिए जवाबदेह ठहराया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय का जवाब सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य लोग अपने दावों के संबंध में नए आवेदन दाखिल कर सकते हैं। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि परिणामों के बारे में आप जो कुछ भी कहना चाहते हैं...जिन पर विचाराधीन निर्णयों के कारण महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हो सकता है...उसके लिए एक स्वतंत्र अंतरिम आवेदन (आईए) की आवश्यकता है। वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने पीठ को बताया कि मौजूदा रफ्तार से अपीलीय न्यायाधिकरणों को अपीलों का निपटारा करने में कम से कम 4 साल लगेंगे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होगी कि अपीलों का निपटारा शीघ्रता से किया जाए।

# तमिलनाडु की सियासत में हलचल

### शपथ के बाद सीएम विजय ने एमके स्टालिन से की मुलाकात, क्या हैं मायने?

**नई दिल्लीः** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को चेन्नई स्थित पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन के आवास पर उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान विजय ने पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन से भी मुलाकात की। तमिलनाडु में तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद विजय की डीएमके के वरिष्ठ नेताओं से यह पहली मुलाकात थी। यह मुलाकात तमिलनाडु में नवगठित टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के एक दिन बाद हुई। इस बीच, तमिलगा वेट्री कजगम के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में सोमवार को राज्य विधानसभा के सभी विधायकों ने सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली। शपथ लेने वालों में एडप्पाडी के पलानीस्वामी, ओ. पन्नीरसेल्वम और उदयनिधि स्टालिन जैसे प्रमुख नेता, साथ ही तमिलनाडु के मंत्री एन. आनंद, आदव अर्जुन, के.जी. अरुणराज और के.ए. सेंगोत्तैयान शामिल थे। तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को नवगठित तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में शपथ ली। राज्य में सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) सरकार के गठन के बाद सदन के सदस्यों ने शपथ ग्रहण किया। कार्यवाही शुरू होने से पहले, उदयनिधि स्टालिन विधानसभा में प्रवेश कर विपक्ष के नेता के लिए निर्धारित अपनी सीट पर बैठ गए। मुख्यमंत्री विजय बाद में सदन में आए और शपथ ग्रहण समारोह से पहले उदयनिधि का अभिवादन किया। कार्यक्रम की शुरूआत कार्यवाहक अध्यक्ष एम.वी. करुपैया द्वारा 17वीं तमिलनाडु विधानसभा के पहले सत्र में सभी सदस्यों का स्वागत करने के साथ हुई। तमिल में सदन को संबोधित करते हुए, करुपैया ने मुख्यमंत्री विजय को चुनाव लड़ने का अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को विधायक चुनने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए भी धन्यवाद दिया। करुप्पैया ने पेरियार, के. कामराज, बी.आर. अंबेडकर, रानी वेलू नाचियार और अंजलाई अम्माल जैसे नेताओं का हवाला देते हुए उन्हें नई सरकार के लिए वैचारिक प्रेरणा स्रोत बताया। विधानसभा की प्रक्रिया के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने सबसे पहले पेरम्बूर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक के रूप में शपथ ली, उसके बाद मंत्रियों और सदन के सदस्यों ने शपथ ली। एन. आनंद, आधव अर्जुन, के.जी. अरुणराज, के.ए. सेंगोत्तैयान, राज मोहन, सी.टी. निर्मल कुमार और वेंकट रमन सहित मंत्रियों ने भी विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ ली।

पूर्व मंत्री पी.के. शेखर बाबू और एडप्पाडी के. पलानीस्वामी और ओ. पन्नीरसेल्वम सहित वरिष्ठ नेताओं ने भी शपथ ली। हाल ही में संपन्न तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और बाद में कांग्रेस, वीसीके, वामपंथी दलों और आईयूएमएल के समर्थन से सरकार बनाई। इससे पहले, मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद, विजय ने "पारदर्शी सरकार" का वादा किया और घोषणा की कि उनका प्रशासन शिक्षा, बुनियादी ढांचे, पेयजल सुविधाओं और महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देगा। उन्होंने 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने और नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों से निपटने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्य बलों के गठन को मंजूरी देने वाली फाइलों पर भी हस्ताक्षर किए।

## संपादकीय

# सोनार बांग्ला का संकल्प

यह भाजपा के लिए आह्लादित होने का वक्त है कि आजादी के बाद पहली बार बंगभूमि में उसकी सरकार बनी है। जिस धूमधाम व उल्लास संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा व एनडीए के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में पश्चिम बंगाल में शुभेंदु सरकार का शपथग्रहण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ, उससे इसके महत्व का पता चलता है। भाजपा के लिए यह मौका इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उसकी पूर्ववर्ती मातृ पार्टी जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि में सरकार बनाने का सपना पौन सदी बाद पूरा हुआ। दशकों तक वामपंथी दलों का गढ़ रहे बंगाल में दक्षिणपंथ का उदय एक विस्मयकारी घटना है। डेढ़ दशक से सत्ता में

काबिज तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने में भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद के मुहावरे को हकीकत बनाया। कई दशकों के योजनाबद्ध अभियानों के बाद बंगाल में कमल खिला है। आक्रामक प्रचार तंत्र, मजबूत संगठन व संघ के वरदहस्त के चलते आज पश्चिम बंगाल भाजपामय हुआ है। यह पल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा ने कभी वामगढ़ रहे प्रदेश में अपनी यात्रा शून्य से शुरू की है। एक दशक में सुनियोजित अभियान से भाजपा का सत्ता पर काबिज होना भारतीय राजनीति की ऐतिहासिक घटना कही जा सकती है। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि शुभेंदु विपक्ष में रहते दिखाए गए आक्रामक तेवरों को छोड़, प्रतिशोध की राजनीति में न उलझकर, इस परिवर्तन को सार्थक बनाएंगे। कुछ ऐसा करें कि देश में शुभेंदु विकास मॉडल की चर्चा हो।

निस्संदेह, बंगाल में मिली बड़ी कामयाबी का श्रेय केंद्रीय नेतृत्व व पार्टी संगठन के साथ ही शुभेंदु अधिकारी को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने सत्ता के दमन का सामना करते हुए न केवल संगठन को मजबूत बनाये रखा, बल्कि नंदीग्राम से लेकर भवानीपुर तक बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी को सीधी लड़ाई में परास्त भी किया। वे पिछले पांच वर्ष से सड़क से विधानसभा तक में आक्रामक ढंग से टीएमसी का प्रतिरोध करते रहे। लेकिन अब जब उन्हें राज्य की बागडोर सौंपी गई है तो उम्मीद करें कि वे राज्य की कानून व अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाएंगे। उद्योग विरोधी नीतियों को दूर कर, राज्य में भारी निवेश को आमंत्रित करके बेरोजगारी संकट को दूर करने का प्रयास करेंगे। राज्य में कानून व्यवस्था, खासकर महिला सुरक्षा का बड़ा मुद्दा रहा है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद राज्यव्यापी आक्रोश पनपा था। संदेशखाली में महिलाओं से दुर्व्यवहार व हिंसा की घटनाएं लोगों को याद हैं। राष्ट्रवादी नीतियों को लेकर अगुवा रहने वाली भाजपा के लिए बांग्लादेश सीमा से घुसपैठ रोकना प्राथमिकता होगी, लेकिन इसका खमियाजा भारतीय नागरिकों को न भुगतना पड़े। उम्मीद की जानी चाहिए कि शुभेंदु सरकार राज्य में राजनीतिक व चुनावी हिंसा पर लगाम लगाने की ठोस पहल करेगी। साथ ही उन हिंसा करने वाले दबंग तत्वों पर लगाम लगाएगी, जो चोला बदलकर हर नई सरकार की छतरी के नीचे खड़े हो जाते हैं। जो कालांतर राज्य में अराजक राजनीतिक संस्कृति को जन्म देते हैं। कानून व्यवस्था सुधरने से ही पश्चिम बंगाल पटरी पर लौटेगा।

## चिंतन-मनन

# दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए।

प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।


**आवश्यकता है**

**आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।**

**9456884327/8218179552**


# समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी।

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

# राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

उमेश चतुर्वेदी

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान-पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे।

पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई।

झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज-टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे। विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलूचप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त।

झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चचाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी-विवाह मुंडन-जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था। उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया। गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली। उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने-चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट-बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है। झालमुढ़ी आम लोगों और आम दुकानदारों से जुड़ने का भी सबसे बड़ा जरिया है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने झारग्राम में सड़क किनारे की झालमुढ़ी की दुकान को चुना और महज दस रूपए की झालमुढ़ी के ठोंगे यानी लिफाफे के जरिए पश्चिम बंगाल के करोड़ों दिलों तक जगह बना ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। झालमुढ़ी उनके इन दोनों नारों का भी प्रतिनिधित्व करता है। झालमुढ़ी और उसमें शामिल किए जाने तत्वों को स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया जाता है, स्थानीय लोगों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है और इसके जरिए स्थानीय स्तर पर एक पूरी श्रृंखला की रोजी-रोटी चलती है। इसलिए यह आत्मनिर्भर भारत का भी प्रतीक है। चूंकि इसे खरीदने और खाने से स्थानीय रोजगार और पैदावार को सहयोग मिलता है, इसलिए यह वोकल फॉर लोकल के भी नजदीक है।

पश्चिम बंगाल में अब सरकार बन चुकी है। सरकार बनने और जीत हासिल करने के बाद बीजेपी और उसके नेताओं ने झालमुढ़ी की पार्टियां की हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की सरकार राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी और उस पर निर्भर लोगों की भलाई की दिशा में जरूर कदम उठाएगी।

# 75 वर्षों में राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना सोमनाथ

भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होना केवल एक धार्मिक अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की ऐतिहासिक चेतना, आत्मसम्मान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी महत्वपूर्ण क्षण है। आज जब देश इस गौरवपूर्ण यात्रा को स्मरण कर रहा है, तब यह भी स्पष्ट दिखाई देता है कि केंद्र की भारत सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारतीय विरासत और सांस्कृतिक धरोहरों के पुनर्स्थापन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की अदम्य शक्ति और सनातन परंपरा की अमर गाथा है।

सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत के संघर्ष, आक्रमणों और पुनर्जागरण की कहानी कहता है। विदेशी आक्रांताओं द्वारा कई बार ध्वस्त किए जाने के बाद भी यह मंदिर भारतीय आस्था का केंद्र बना रहा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौहपुरुष सरदार पटेल ने इसके पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। वर्ष 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद द्वारा मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिसने स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान को नई पहचान दी।

इन 75 वर्षों में सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं रहा, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक बन गया। विशेष रूप से पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास और धार्मिक पर्यटन को जिस प्रकार गति दी है, वह उल्लेखनीय है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या में राम मंदिर और केदारनाथ पुनर्विकास जैसे अनेक प्रकल्प इस सोच को मजबूत करते हैं कि भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर ही विश्व में नई पहचान बना सकता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सोमनाथ बारह ज्योतिलिंगों में प्रथम माना जाता है। कहा जाता है कि चंद्रदेव ने भगवान शिव की आराधना कर यहां अपने श्राप से मुक्ति पाई थी, इसी कारण इसका नाम सोमनाथ पड़ा। अरब सागर के तट पर स्थित यह मंदिर प्राचीन काल से श्रद्धा और व्यापार दोनों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा। इतिहासकारों के अनुसार इसका उल्लेख अनेक प्राचीन ग्रंथों और यात्रावृांतों में मिलता है।

सोमनाथ का इतिहास जितना गौरवपूर्ण है, उतना ही संघर्षपूर्ण भी। 11वीं शताब्दी में महमूद गजनी ने इस मंदिर पर आक्रमण कर इसकी अपार संपदा लूटी और मंदिर को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद भी विभिन्न कालखंडों में कई विदेशी आक्रांताओं ने इसे निशाना बनाया। लेकिन हर विनाश के बाद भारतीय समाज ने इसे फिर से खड़ा किया। यही तथ्य दशार्ता है कि किसी राष्ट्र की आत्मा को केवल पत्थरों को तोड़कर समाप्त नहीं किया जा सकता। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। आधुनिक सुविधाओं और भव्य स्थापत्य ने इसकी गरिमा को और बढ़ाया है। साथ ही यह मंदिर भारत को यह स्मरण कराता है कि हमारी संस्कृति हर संकट के बाद स्वयं को पुनर्जीवित करने की क्षमता दिखाई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं कई बार यह कहा है कि विकास और विरासत साथ-साथ चल सकते हैं। यही कारण है कि सरकार ने एक ओर आधुनिक आधारभूत संरचना पर बल दिया, वहीं दूसरी ओर प्राचीन मंदिरों, तीर्थों और सांस्कृतिक केंद्रों के संरक्षण को भी महत्व दिया। सोमनाथ मंदिर परिसर का आधुनिकीकरण, पर्यटन सुविधाओं का विस्तार और आसपास के क्षेत्र का विकास इसी दृष्टि का हिस्सा है।

हालांकि, इस अवसर पर यह भी आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रह जाए। मंदिरों और तीर्थ स्थलों के विकास के साथ-साथ देश को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर भी समान गंभीरता से आगे बढ?ा होगा। राष्ट्रीय गौरव तभी सार्थक होगा, जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सोमनाथ के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष भारत की उस अटूट चेतना का प्रमाण हैं, जिसने सदियों के संघर्ष के बाद भी अपनी पहचान को जीवित रखा। यह अवसर केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की सांस्कृतिक दिशा तय करने का भी है। यदि विरासत और विकास का संतुलन बना रहा, तो भारत विश्व मंच पर अपनी सभ्यतागत शक्ति के रूप में और अधिक मजबूती से उभरेगा। आज जब भारत विश्व मंच पर अपनी नई पहचान बना रहा है, तब सोमनाथ जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक केंद्र देश की सांस्कृतिक शक्ति को मजबूत करते हैं। पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में भी ऐसे तीर्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी धरोहरों के संरक्षण, स्वच्छता और ऐतिहासिक महत्व को आने वाली पीढि?ों तक पहुँचाने का कार्य गंभीरता से करें।

सोमनाथ मंदिर के 75 वर्ष हमें यह याद दिलाते हैं कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना और आत्मविश्वास में निहित होती है। समय बदलता है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन जो सभ्यता अपनी जड़ों से जुड़ी रहती है, वह सदैव मजबूत बनी रहती है। सोमनाथ इसी अमर भारतीय चेतना का प्रतीक है। वर्तमान समय में जब इतिहास और सांस्कृतिक पहचान को लेकर नई बहसें चल रही हैं, तब सोमनाथ का इतिहास हमें संतुलित दृष्टि अपनाने की प्रेरणा देता है। यह मंदिर प्रतिशोध का नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव का संदेश देता है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है, और सोमनाथ उसी निरंतरता का जीवंत प्रतीक है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

# डीएम की अध्यक्षता में सीएसआर फंड पर उद्यमियों के साथ बैठक

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी-सी एस आर फंड के संबंध में जनपद के प्रमुख उद्यमियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई । बैठक में कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के प्रावधानों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा जनपद के उद्यमियों को सीएसआर के अंतर्गत मुख्यत स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, स्त्री सशक्तिकरण, पर्यावरणीय संपोषण, ग्रामीण विकास आदि क्षेत्रों से संबंधित परियोजनाओं में अपना योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान जनपद के सभी उद्यमियों को सीएसआर के अंतर्गत एक कार्य योजना बनाने तथा सामाजिक व आर्थिक विकास से जुड़े जनपद स्तरीय कार्यालयों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पारदर्शी व प्रभावी रूप से कार्य योजनाओं को क्रियान्वित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा जनपद के उद्यमियों को ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, जल संरक्षण व स्वास्थ्य से संबंधित परियोजनाओं में सीएसआर फंड का उपयोग करने हेतु सुझाव दिए गए। इस उद्यमी संवाद में उपायुक्त उद्योग अनूप कुमार श्रीवास्तव तथा जनपद अमरोहा की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों - जुबिलेंट इंग्रेविया, तेवा ए पी आई, आर ए सी एल गियरटेक लिमिटेड, सी एल गुप्ता एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, बेस्ट क्रॉप साइंसेज, वेव इंडस्ट्रीज, त्रिवेणी शुगर मिल आदि के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# ग्राम पंचायत अधिकारी राजेश कुमार को किया गया निलम्बित

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिला पंचायत राज अधिकारी पारूल सिसौदिया ने ग्राम पंचायत अधिकारी राजेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। राजेश कुमार पर खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी के साथ घोर अभद्रता करने, फोन पर गाली-गलौज करने और उनके सरकारी आवास के गेट का शीशा तोड़ने का आरोप है। डीपीआरओ पारूल सिसौदिया द्वारा जारी पत्र के अनुसार राजेश कुमार ने 23 अप्रैल 2026 को रात्रि 7:43 बजे खण्ड विकास अधिकारी को फोन कर अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। इसके बाद स्पष्टीकरण मांगा गया, जो असंतोषजनक पाया गया। पुनः 10 मई 2026 को रात्रि लगभग 8:30 बजे उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी के आवास पर पहुंचकर तोड़-फोड़ की और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया, जिससे अधिकारी ने अपनी जान-माल को खतरे में बताया। निलम्बन के दौरान राजेश कुमार को वित्तीय नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। उन्हें विकास खण्ड गजरौला से संबद्ध किया गया है। जांच अधिकारी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) गजरौला को नामित किया गया है, जिन्हें एक माह के अंदर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। यह कार्रवाई सरकारी कर्मचारी आचरण नियमों का उल्लंघन, पद की जिम्मेदारियों का निर्वहन न करना और उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के आरोप में की गई है। डीपीआरओ ने कहा कि सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों से अभद्रता और तोड़-फोड़ की कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले में खण्ड विकास अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

# गजरौला क्षेत्र में पेड़ पर लटके मिले युवक के शव के मामले में परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप,एसपी से की शिकायत

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सुल्तानठेर में बीती 7 मई 2026 को गांव के बाहर पेड़ पर लटके मिले युवक के शव के मामले में परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए अमरोहा पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गांव निवासी तीन युवकों ने पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या कर उसके शव को पेड़ पर लटका दिया है। मृतक की पहचान 22 वर्ष से बंटी पुत्र पीतम के रूप में हुई थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। बता दें कि इस मामले में मृतक का पीड़ित परिवार अन्य ग्रामीणों के साथ सोमवार को अमरोहा एसपी कार्यालय पर पहुंचा उन्होंने एसपी को एक शिकायती पत्र सौंपा जिसमें गजरौला पुलिस पर मामले में ठोस कार्यवाही न करने का आरोप लगाया गया,

परिजनों ने बताया कि उन्होंने आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर दी थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की ।परिजनों का यह भी आरोप है कि आरोपी उन्हें मामले में समझौता न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं, परिवार ने मांग की है कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए और पूरे मामले का खुलासा किया जाए।

# मंडी धनौरा में डिजिटल जनगणना की तैयारीयों को लेकर कर्मचारीयों एवं वकीलों को दिया गया प्रशिक्षण

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा में डिजिटल जनगणना को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई है। जिनके चलते डिजिटल जनगणना को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए प्रशासनिक मशीनरी सक्रिय हो गई हैं। इसी क्रम में सोमवार को स्थानीय तहसील सभागार में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। बता दें कि कार्यशाला की अध्यक्षता तहसीलदार मूसा राम थारू और नायब तहसीलदार योगेश कुमार लोधी ने संयुक्त रूप से की। इसका मुख्य उद्देश्य जनगणना कार्य में लगे सुपरवाइजरों और अन्य कर्मियों को डिजिटल जनगणना की बारीकियों और तकनीकी पहलुओं से अवगत कराना था ।तहसीलदार मूसा राम थारू ने बताया कि इस बार जनगणना पारंपरिक कागजी पद्धति के बजाय डिजिटल माध्यम से की जा रही है। इससे डेटा संकलन में सटीकता और पारदर्शिता बनी रहेगी। उन्होंने कर्मचारियों को फील्ड में मोबाइल ऐप और पोर्टल का उपयोग सावधानीपूर्वक करने के निर्देश दिए ।इस कार्यशाला में केवल जनगणना कर्मियों को ही नहीं, बल्कि तहसील में कार्यरत विभिन्न विभागों के कर्मचारियों और अधिवक्ताओं को भी इस राष्ट्रीय अभियान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। नायब तहसीलदार योगेश कुमार लोधी ने स्पष्ट किया कि जनगणना राष्ट्र की भावी योजनाओं का आधार होती है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।प्रशासन ने सुपरवाइजरों को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगणकों (Enumerators) के कार्यों की कड़ी निगरानी करने का निर्देश दिया। बैठक के अंत में उपस्थित कर्मियों की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया ।इस अवसर पर सौरभ कोहली, धीरे सिंह, बीनू शर्मा और भरत सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

# मंडी धनौरा विकासखंड परिसर में बोर्ड की बैठक का आयोजन

## नगर में 3.5 करोड़ के विकास कार्यों को कराने के प्रस्ताव पारित,अनुपस्थित अधिकारियों पर उठे सवाल

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा विकास खंड परिसर में सोमवार को ब्लॉक प्रमुख आशा चंद्रा की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत बोर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इसमें क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए राज्य और केंद्रीय वित्त आयोग से लगभग 3.5 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बता दें कि बैठक में राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत लगभग दो करोड़ रुपये और केंद्रीय वित्त आयोग के अंतर्गत करीब डेढ़ करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव पारित किए गए। इस धनराशि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण, नाली, खड़ंजा और सामुदायिक शौचालयों जैसे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में किया जाएगा ।इसके अतिरिक्त, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना की प्रगति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई ।हालांकि, बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा और पूर्ति विभाग का कोई भी अधिकारी उपस्थित नहीं था। अनुपस्थित अधिकारियों ने तर्क दिया कि उन तक बैठक का एजेंडा नहीं पहुँचा था ।इतनी महत्वपूर्ण बैठक में तीन प्रमुख विभागों के अधिकारियों की गैर-मौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही ।बैठक में खंड विकास अधिकारी (इऊड) प्रतिभा अग्रवाल, एडीओ पंचायत योगेंद्र सिंह, एडीओ राजीव कुमार, मनोज कुमार और जितेंद्र सिंह उपस्थित रहे। इनके साथ यशवीर खटाना, धर्मेंद्र सिंह, कमल उर्फ निर्मल सिंह, डॉ. लोकेंद्र सिंह, धर्मवीर भाटी, मीना देवी, अनुज त्यागी, गजब सिंह, दर्शन सिंह और नेपाल सिंह सहित अनेक क्षेत्र पंचायत सदस्य व जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर, फैमिली आईडी, कैच द रैन अभियान की बैठक का आयोजन

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, फैमिली आईडी और कैच द रैन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। डीएम ने बताया कि फैमिली आईडी सभी सरकारी योजनाओं और सब्सिडी का लाभ आसानी से और पारदर्शी तरीके से प्रदान करती है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अभियान चलाते हुए मेगा कैंप लगाकर फैमिली आईडी बनाने के कार्य में प्रगति लाने के साथ लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर योजना में सभी विभागों को निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं और शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करें। आमजन के बीच योजना का प्रचार करते हुए लोगों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। बैंक संबंधी समस्याओं के समाधान के निर्देश एलडीएम को दिए। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, विद्युत संयोजन, श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कैच द रेन अभियान के पोर्टल जल संचय जन भागीदारी पोर्टल की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त संबंधित विभाग को पूर्ण कार्यों एवं चयनित स्थल पर जल संरक्षण संबंधी चले रहे कार्यों को पूर्ण कर जल संचय जन भागीदारी पोर्टल पर आवश्यक रूप से अपलोड करें। पूर्ण एवं निमार्णाधीन कार्यों के साथ पोर्टल पर फीड की स्थिति की रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, पीडी डीआरडीए अंबरीश कुमार, उपजिलाधिकारी सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में जनपदभर में हुए भव्य कार्यक्रम

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के उपलक्ष्य में सोमवार को जिलाधिकारी डॉ० नितिन गौड़ के नेतृत्व में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। चूना भट्टी से शुरू होकर यह यात्रा वासुदेव मंदिर तक पहुंची। यात्रा में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शशि जैन, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, बड़ी संख्या में महिलाएं तथा आमजन शामिल हुए। यात्रा के दौरान भक्तों ने भक्ति भाव से कलश लेकर शिव मंदिरों तक पहुंचे। यात्रा समाप्ति पर जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों एवं भक्तों ने वासुदेव मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों और नागरिकों ने स्वयं झाड़ू लगाकर शिवालयों में स्वच्छता अभियान चलाया और स्वच्छता का संदेश दिया। पूरे जनपद में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत शिव मंदिरों में मंत्रोच्चार, महाआरती, रुद्राभिषेक, दीपोत्सव एवं प्रवचन का आयोजन किया गया। साथ ही रंगोली, निबंध लेखन एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व गीत को कार्यक्रमों में विशेष रूप से प्रमुखता दी गई। जनपद के शहरी क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने कहा कि पूरे प्रदेश एवं जनपदभर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जा रहा है। इस पर्व की महत्ता यह है कि यह सामाजिक सौहार्द, एकता और सांस्कृतिक जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लगभग 1000 वर्ष पहले सोमनाथ मंदिर पर हमला हुआ था, लेकिन उसका अस्तित्व आज भी बना हुआ है। यह भारत की एकता और अखंडता का प्रमाण है। यह दशार्ता है कि भारत के सभी लोग एक हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से “वसुधैव कुटुम्बकम्” की भावना को चरितार्थ किया जा रहा है तथा अपने गौरवशाली इतिहास का स्मरण किया जा रहा है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं आम जन की भारी भीड़ उपस्थित रही।

# मंडी धनौरा में सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाने को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद की मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र के गांव जैथल मुस्तकम के ग्रामीणों ने सोमवार को सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर एक ज्ञापन जिला अधिकारी अमरोहा को सौंपा। जिसमें ग्रामीणों ने सरकारी भूमि, चकरोड़ और कूड़ी गड्ढों पर हुए अवैध कब्ज को हटाने की मांग की ।उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा की पैमाइश के बाद भी अब तक इन कब्जों को नहीं हटाया गया है जिससे गांव में आमजन का आवागमन और स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। बता दें कि ज्ञापन के अनुसार राजस्व विभाग ने बीते 22 अप्रैल को गांव की सार्वजनिक/सरकारी भूमि, गाटा संख्या 384 और 391, चकरोड और कूड़ी गड्ढों की पैमाइश की थी। इस जांच में सरकारी भूमि और चकरोड पर अवैध कब्जा पाया गया था। ग्रामीणों ने 2 मई को समाधान दिवस में भी इस संबंध में शिकायत की थी, लेकिन अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है ।ग्रामीणों ने बताया कि अवैध कब्जों के कारण गांव के रास्ते बाधित हो रहे हैं। कूड़ी गड्ढों पर कब्जा होने की वजह से ग्रामीणों को सड़क किनारे कूड़ा फेंकना पड़ रहा है, जिससे गांव में गंदगी फैल रही है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन पर कार्रवाई में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की है ।प्रधान पति जयवीर सिंह और अन्य ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की एक संयुक्त टीम भेजी जाए। उन्होंने जेसीबी मशीन के माध्यम से सरकारी भूमि, चकरोड और कूड़ी गड्ढों को तत्काल कब्जा मुक्त कराने का आग्रह किया है। साथ ही,भविष्य में दोबारा कब्जा न हो, इसके लिए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की गई है।

# जनसुनवाई में डीएम ने सुनी आमजन की समस्याएं, दिव्यांग को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्राम गंगनैटा थाना कैलादेवी तहसील सम्भल निवासी दिव्यांगजन लाल गिरी पुत्र सौदान गिरी ने जिलाधिकारी को बताया कि वह गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं और उन्हें दिव्यांग पेंशन तो मिल रही है, लेकिन उनके पास ट्राईसाइकिल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस पर जिलाधिकारी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को निर्देशित किया कि पात्रता के अनुसार प्रार्थी को शीघ्र ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि लाल गिरी का आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाया जाए, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। जनसुनवाई में तहसील गुन्नौर से संबंधित एक कुरेबंदी प्रकरण भी सामने आया, जिस पर डीएम ने उप जिलाधिकारी गुन्नौर को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अन्य शिकायतों पर भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली शिकायतों को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ निस्तारित किया जाए, ताकि आमजन को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का प्रभावी लाभ समय पर मिल सके।

# रोडवेज बस और टेंपो की भिड़ंत में चार घायल, हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** जनपद के बहजोई क्षेत्र में सोमवार दोपहर को सुगंध वाटिका के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक रोडवेज बस और टेंपो की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में टेंपो सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया गया। घायलों में हरि सिंह पुत्र गुलाबी (50 वर्ष) निवासी ग्राम चरसौरा थाना इस्लामनगर, सूरजपाल पुत्र महेंद्र (50 वर्ष) निवासी ग्राम खलीलपुर थाना धनारी, रामनिवास

यादव पुत्र होरीलाल (60 वर्ष) निवासी ग्राम उधरनपुर थाना धनारी तथा सुभाष गिरी पुत्र हरप्रसाद (50 वर्ष) निवासी ग्राम कादराबाद थाना जरीफनगर शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सभी लोग टेंपो में सवार होकर बहजोई की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सुगंध वाटिका के पास सामने से आ रही रोडवेज बस से टेंपो की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने घायलों को सीएचसी बहजोई पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया।
हादसे के बाद कुछ देर तक मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु कराया।

# गंगा एक्सप्रेसवे पर बाइक फिसलने से युवक घायल, जिला अस्पताल रेफर

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** गंगा एक्सप्रेसवे पर सोमवार दोपहर एक युवक बाइक फिसलने से गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची यूपीडा एंबुलेंस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुच्छन पुत्र रामपाल (30 वर्ष) निवासी जनपद बदायूं सोमवार दोपहर गंगा एक्सप्रेसवे से मोटरसाइकिल द्वारा गुजर रहे थे। इसी दौरान अचानक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे की सूचना

मिलते ही यूपीडा एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए सीएचसी बहजोई लाया गया।
चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया। घटना के बाद कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। वहीं पुलिस और यूपीडा टीम ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था सुचारु कराई।

# शादी के 10 दिन बाद फरार हुई लुटेरी दुल्हन, नकदी और जेवर लेकर भागने का आरोप

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** थाना क्षेत्र के गांव हसनपुर खुर्द में एक कथित लुटेरी दुल्हन का मामला सामने आया है। पीड़िता ने कोतवाली बहजोई में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि शादी के महज 10 दिन बाद नई नवेली दुल्हन घर से नकदी और लाखों रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गई। पीड़ित परिवार ने मामले में कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गांव हसनपुर खुर्द निवासी प्रिया शर्मा पत्नी मुनेश शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके जेठ अवनेश शर्मा के विवाह के लिए रिश्ते आ रहे थे। इसी दौरान उनके मामा सुबोध के माध्यम से बाबूलाल निवासी पिनकारपुर थाना वनकटी जिला बस्ती अपनी भतीजी सुन्दरी का

रिश्ता लेकर 27 अप्रैल को उनके घर आया था। आरोप है कि बाबूलाल ने लड़की पक्ष को बेहद गरीब बताते हुए मंदिर में सादगी से शादी कराने की बात कही और परिवार को विश्वास में ले लिया। पीड़िता के अनुसार 30 अप्रैल को धनघटा घाट जिला संतकबीर नगर स्थित मंदिर में अवनेश शर्मा और सुन्दरी की शादी कराई गई। शादी के बाद सुन्दरी को बहू बनाकर घर लाया गया, जहां सभी रस्में पूरी की गईं। प्रिया शर्मा का आरोप है कि शादी के बाद से ही सुन्दरी लगातार किसी अज्ञात युवक से मोबाइल पर घंटों बात करती रहती थी। परिवार के लोगों के पहुंचते ही वह कॉल काट देती थी और कहती थी कि चाचा का फोन था। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि 11 मई की तड़के करीब 3 से 4 बजे के बीच सुन्दरी ने घर में सो रहे लोगों के चेहरे पर नशीला स्प्रे छिड़क दिया और घर में रखे 50 हजार रुपये नकद, शादी में चढ़े सोने-चांदी के जेवर, मंगलसूत्र, सोने की कंठी समेत अन्य सामान बैग में भरकर फरार हो गई। पीड़िता ने बाबूलाल, मुन्नी, प्रकाश, इन्द्रवती समेत अन्य अज्ञात लोगों पर साजिश के तहत धोखाधड़ी और लूट की घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। मामले में कोतवाली बहजोई पुलिस से कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

# मरहूम डॉ. शफीक उर रहमान बर्क की दूसरी बरसी पर उमड़ा जनसैलाब

**सम्भल(सब का सपना):-** समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद मरहूम आल्हाज डॉ. शफीक उर रहमान बर्क की दूसरी बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में हजारों लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम में शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में उलेमा-ए-किराम, सामाजिक हस्तियां, राजनीतिक नेता और आमजन शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान मरहूम बर्क साहब की शख्सियत, ईमानदार राजनीति और समाज सेवा को याद करते हुए लोगों की आंखें नम नजर आईं। बरसी कार्यक्रम की शुरूआत मौलाना फाज़िल मिस्वाही ने कुरान-ए-पाक की तिलावत से की। उन्होंने बेहद खूबसूरत अंदाज में कई सुरतों की तिलावत कर माहौल को रूहानी बना दिया। इसके बाद विभिन्न उलेमाओं ने तकरीर करते हुए मरहूम बर्क साहब के जीवन, उनकी सादगी, इंसाफ पसंद छवि और गरीबों के लिए किए गए संघर्षों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. बर्क ने करीब पांच दशक तक राजनीति में रहकर ईमानदारी और बेबाकी के साथ जनता की आवाज बुलंद की। उनकी पहचान सिर्फ एक नेता के रूप में नहीं बल्कि गरीबों, मजलूमों और बेसहारा लोगों के हमदर्द के रूप में रही। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कहा कि उनकी शख्सियत की तारीफ सिर्फ हिंदुस्तान ही नहीं बल्कि दुनिया भर में होती है। इस मौके पर सम्भल से सांसद ज़िया उर रहमान बर्क ने अपने दादा को याद करते हुए कहा कि वह हमेशा उनके बताए रास्ते पर चलकर जनता की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मरहूम बर्क साहब की विरासत इंसानियत, भाईचारे और गरीबों की मदद की रही है। कार्यक्रम में मुहीबुल्ला, कमाल अख्तर, फहीम इरफान, सपा जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, कुंदरकी से पूर्व विधायक हाजी रिजवान, युवा नेता सुहैल इकबाल, सांसद प्रतिनिधि मो. फहद, नुफैल खान, फरहाद अहमद, मो. आतिफ, नेता मुन्ने अफरोज अहमद तथा हाजी एहसान अब्बासी समेत अनेक लोग मौजूद रहे। बरसी में उमड़ी भारी भीड़ ने यह साबित कर दिया कि मरहूम डॉ. शफीक उर रहमान बर्क आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

# शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भाजपा महिला मोर्चा का धरना

**सम्भल(सब का सपना):-** भारतीय जनता पार्टी की महिला विंग द्वारा सोमवार को दीपा सराय सम्भल में समाजवादी पार्टी के सांसद ज़िया उर रहमान बर्क के आवास के निकट स्थित मंदिर परिसर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 के विरोध करने वाले विपक्षी दलों के खिलाफ क्रमिक धरना प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर विपक्षी दलों के रवैये के खिलाफ नाराजगी जताई। भाजपा महिला मोर्चा की ओर से आयोजित इस धरने में वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी में मजबूत

स्थान देने के उद्देश्य से महिला आरक्षण बिल लाया गया, जिसे 2029 से लागू किया जाना है। आरोप लगाया गया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस ऐतिहासिक विधेयक का विरोध कर महिलाओं के सम्मान और अधिकारों का अपमान किया है। धरने को संबोधित करते हुए भाजपा जिला महामंत्री शिल्पी गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं को सम्मान और समान अधिकार देने का कार्य कर रही है, जबकि विपक्षी दल हमेशा महिलाओं की भागीदारी का विरोध करते आए हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और देश को रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं पर गर्व है। दोपहर 12 बजे से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया। धरने में मुस्लिम महिलाओं की भी विशेष भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष पारुल शर्मा, मंजू रानी, निशि वार्ष्णेय, विमला अग्रवाल, शिप्रा त्यागी, शालिनी रस्तोगी, खुशीर्दा बेगम, नाजनीन, बुशरा, सोनम, कमलेश, मुन्नी, मीना, राजवती, नीलू, अंजली और अन्य सैकड़ों महिलाएं मौजूद रहीं।

# जाम की समस्या को लेकर व्यापार मंडल ने क्षेत्राधिकारी को सौंपा ज्ञापन

## ई-रिक्शाओं के लिए जोन व्यवस्था लागू करने की उठाई गई मांग

**चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):-** नगर में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या को लेकर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने पुलिस क्षेत्राधिकारी दीपक तिवारी को ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग उठाई। व्यापार मंडल ने कहा कि चंदौसी शहर में अनियंत्रित रूप से चल रहे ई-रिक्शाओं के कारण आम नागरिकों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने बताया कि नगर में इस समय जाम की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। बाजारों और मुख्य मार्गों पर हर समय वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं, जिससे व्यापार

प्रभावित हो रहा है और लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापार मंडल ने सुझाव देते हुए कहा कि नगर में चलने वाले ई-रिक्शाओं को चार जोन हरा, लाल, पीला और नीला में विभाजित किया जाए तथा प्रत्येक ई-रिक्शा पर निर्धारित रंग और नंबर अंकित किए जाएं। चालकों को निर्देशित किया जाए कि वे अपने निर्धारित जोन में ही ई-रिक्शा संचालित करें। व्यापार मंडल का कहना है कि इससे यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और जाम की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा। इसके अलावा ज्ञापन में मांग की गई कि बिना रजिस्ट्रेशन, बिना ड्राइविंग लाइसेंस और नाबालिग चालकों द्वारा संचालित ई-रिक्शाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही बाहरी व्यक्तियों द्वारा नगर में ई-रिक्शा संचालन पर भी प्रतिबंध लगाए जाने की मांग उठाई गई।
ज्ञापन सौंपने वालों में प्रेम ग्रोवर, शाह आलम मंसूरी, सागर गुप्ता, सुभाष पाल, चिंटू शर्मा, रमेश ग्रेवाल, अनुज वार्ष्णेय, नवाकांता शर्मा एवं सभासद सहित कई व्यापारी नेता मौजूद रहे।

# सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर शिवालयों में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे, निकली कलश यात्रा

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** जनपद के विभिन्न शिवालयों में सोमवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत राज्य स्तरीय ज्योतिर्लिंग कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। ग्राम सादातवाड़ी स्थित प्राचीन पातालेश्वर महादेव मंदिर, खग्गू सराय स्थित कार्तिकेय मंदिर तथा सिद्धपीठ पातालेश्वर महादेव मंदिर समेत विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम के दौरान शिवालयों में मंत्रोच्चार, ओंकार जाप, महाआरती, रुद्राभिषेक,

दीपोत्सव, सोमनाथ संकल्प संवाद एवं प्रवचन आयोजित किए गए। महिलाओं की व्यापक सहभागिता के साथ भव्य कलश यात्रा भी निकाली गई। इस दौरान सोमनाथ स्वाभिमान पर्व गीत भी प्रमुखता से गूंजता रहा। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल तथा मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ग्राम सादातवाड़ी स्थित पातालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। अधिकारियों ने महिलाओं द्वारा निकाली जा रही कलश यात्रा का पूजन कर उसे रवाना किया। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने सोमनाथ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित ज्योतिर्लिंग कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा और सुना। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह, खंड विकास अधिकारी पवांसा अमरजीत सिंह, ग्राम प्रधान सहित संबंधित अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

# पर्यटन विकास और तीर्थ स्थलों के निर्माण कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पर्यटन विभाग की क्रियान्वित परियोजनाओं तथा नगरीय निकायों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्भल जिले के प्राचीन तीर्थ स्थलों, महाकूपों और धार्मिक स्थलों के विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि सम्भल में स्थित 68 तीर्थों और 19 महाकूपों पर पर्यटन विभाग एवं नगर पालिका परिषद सम्भल द्वारा विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं। जिला पर्यटन अधिकारी प्रदीप कुमार टम्टा ने जानकारी देते हुए बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा 9 प्रमुख तीर्थ स्थलों पर कार्य प्रस्तावित है, जिनमें से तीन स्थलों पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। जिलाधिकारी ने पर्यटन

विकास निगम के अंतर्गत कुरुक्षेत्र तीर्थ सहित अन्य स्थलों पर होने वाले कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में कार्यों की भौतिक प्रगति रिपोर्ट एवं फोटोग्राफ्स प्रस्तुत किए जाएं। साथ ही मानसून से पहले, मानसून के दौरान और मानसून के बाद किए जाने वाले कार्यों का अलग-अलग प्लान तैयार करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मनोकामना तीर्थ, कुरुक्षेत्र तीर्थ, नैमिषारण्य तीर्थ तथा प्राचीन कल्कि मंदिर समेत नगर क्षेत्र के 14 प्रमुख तीर्थ स्थलों के विकास कार्यों पर भी चर्चा हुई। नगर पालिका परिषद सम्भल द्वारा वंदन योजना एवं राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत प्राचीन तीर्थों और कूपों पर कराए जाने वाले कार्यों की समीक्षा करते हुए डीएम ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा चंदौसी के शनि मंदिर, बहजोई के काली मंदिर और भगवंतपुर देवी माता मंदिर, सिरसी के चामुंडा मंदिर, नरौली नगर पंचायत के जाहरवीर मंदिर तथा गवां और बबराला में मां गंगा घाट पर अवस्थापना सुविधाओं एवं विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निकायों में नालों की सफाई व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समय रहते नालों की तलीझाड़ सफाई सुनिश्चित की जाए तथा टेंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या न हो। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी निधि पटेल, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बहजोई वंदना मिश्रा सहित समस्त नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# बिजनौर में महिला सिपाही से चेन स्नैचिंग, बाइक सवार बदमाश फरार

**बिजनौर (सब का सपना):-** जिले में बढ़ते अपराधों के बीच रविवार देर शाम मंडावर रोड पर महिला थाने में तैनात महिला सिपाही अनुराधा चौधरी से बाइक सवार बदमाशों ने चेन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम दे दिया। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार महिला सिपाही अनुराधा चौधरी मंडावर रोड पर फल खरीद रही थीं। इसी दौरान बाइक पर सवार दो बदमाश झपट्टा मारकर उनकी चेन लूट ले गए और मौके से फरार हो गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले आरोपी आंखों से ओझल हो चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फुटेज में संदिग्ध बदमाश दिखाई दिए हैं और उनकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले के खुलासे के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं। संग्राम सिंह ने बताया कि पुलिस जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करेगी। इधर जिले में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। हाल के दिनों में हत्या, लूट, पुलिसकर्मी से पिस्टल छीनने और मारपीट जैसी घटनाओं ने कानून व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ाई है। अब महिला पुलिसकर्मी से चेन लूट की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।
स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पुलिसकर्मी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।

# महिला आरक्षण बिल के विरोध पर भड़का भाजपा महिला मोर्चा, सांसद के आवास का किया घेराव

**धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):-** महिला आरक्षण बिल के विरोध को लेकर सोमवार को भाजपा महिला मोर्चा का गुस्सा खुलकर सामने आया। बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने सांसद चन्द्रशेखर आजाद के आवास का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए सांसद आवास का मुख्य गेट बंद रखा गया तथा मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शन के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में नारेबाजी करते हुए महिला आरक्षण का विरोध करने वालों के खिलाफ नाराजगी जताई। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री रश्मि रावल ने कहा कि महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी देने वाले ऐतिहासिक कानून का विरोध महिला सम्मान के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता अपनी राजनीतिक जमीन खिसकने के डर से महिला आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। वहीं पूर्व चेयरमैन लीना सिंघल ने कहा कि महिला आरक्षण महिलाओं के अधिकार और सम्मान की लड़ाई है तथा इसका विरोध किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला, जबकि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया।

# 14 मई को बिजनौर में महिला जनसुनवाई करेंगी राज्य महिला आयोग सदस्य अवनी सिंह

**बिजनौर (सब का सपना):-** जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अवनी सिंह, सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा 14 मई 2026 को बिजनौर में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह जनसुनवाई विकास भवन सभागार में प्रातः 11 बजे से शुरू होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला उत्पीड़न की रोकथाम, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाना तथा महिलाओं की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करना है।

जनसुनवाई के बाद विकासखंड स्योहारा एवं तहसील धामपुर क्षेत्र के ग्राम बिलन्दी में चौपाल कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जहां ग्रामीण महिलाओं की समस्याएं सुनी जाएंगी। जिला प्रशासन ने महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रस्तुत करने की अपील की है।

# साइकिल से 14,000 ङट का सफर, दस ज्योतिर्लिंग और तीन धाम फतह कर घर लौट रहे शिकारपुर के लाल रोहित शिकारपुरिया

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):** उत्तर प्रदेश के शिकारपुर के रहने वाले युवा साइकिलिस्ट रोहित शिकारपुरिया ने अपनी साइकिल पर सवार होकर देश के कोने-कोने को नापते हुए 14,000 किलोमीटर की लम्बी और दुर्गम यात्रा पूरी की है। दस ज्योतिर्लिंग और तीन प्रमुख धामों के दर्शन कर जब रोहित अपने घर लौटेंगे तो क्षेत्रवासियों ने उनका जोरदार स्वागत करने की तैयारियां पूरी कर ली हैं। रोहित शिकारपुरिया की यह यात्रा केवल भक्ति की ही नहीं बल्कि अदम्य साहस और शारीरिक क्षमता की परीक्षा भी थी। उनकी यात्रा की कुल दूरी लगभग 14,000 किलोमीटर की है। देश के दस ज्योतिर्लिंग और तीन धामों की यात्रा मात्र साधारण साइकिल से पूरी कर लौट रहे हैं। बताया जाता है कि

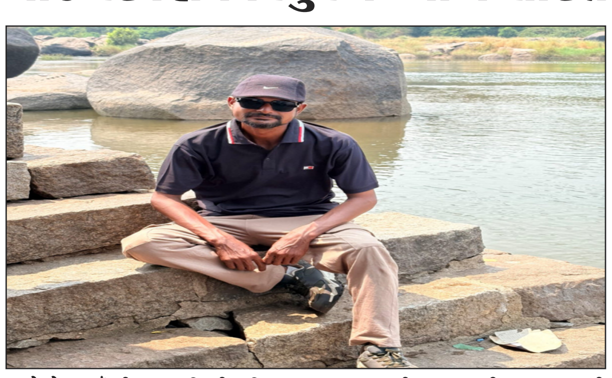

रास्ते में जहाँ भी जगह मिली मन्दिर, ढाबे या खुले आसमान के नीचे, वहीं विश्राम किया। इस लम्बी यात्रा के दौरान रोहित को देश की कई जानी-मानी हस्तियों का साथ और प्रोत्साहन मिला। मुम्बई प्रवास के दौरान रोहित की मुलाकात बॉलीवुड अभिनेता और मसीहा के नाम से मशहूर सोनू सूद से हुई। सोनू सूद ने रोहित के इस साहसी कदम की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। रोहित शिकारपुरिया ने बताया कि सोनू सूद से मिलना उनके लिए ऊर्जा भरने जैसा था। रोहित की इस यात्रा की सबसे खास बात उनकी सादगी रही। उन्होंने किसी वीआईपी सुविधाओं की मांग नहीं की। सफर के दौरान उन्हें जहाँ भी रात हुई वहीं उन्होंने अपना बसेरा बना लिया। चिलचिलाती धूप, बारिश और कड़ाके की ठण्ड के बीच कई राज्यों की सीमाओं को पार करते हुए रोहित ने यह संदेश दिया कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए सुख-सुविधाएँ नहीं संकल्प की आवश्यकता होती है। अपनी 14,000 ङट की साइकिलिंग के दौरान रोहित देश के कई राज्यों से होकर गुजरे। उन्होंने बताया कि इस यात्रा ने उन्हें भारत की विविधता और एकता को करीब से देखने का मौका दिया। रास्ते में लोगों ने उन्हें बहुत प्यार और सहयोग दिया जिससे उनका सफर आसान हो गया। रोहित शिकारपुरिया आज शिकारपुर पहुंचने पर उनका फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा। उनकी इस उपलब्धि पर पूरा शिकारपुर गर्व महसूस कर रहा है।

# खुर्जा में कांग्रेस की किसान - नौजवान बचाओ यात्रा का भव्य स्वागत, भाजपा पर वायदा खिलाफ का आरोप

**बुलंदशहर (सब का सपना):-** कांग्रेस की किसान नौजवान बचाओ यात्रा गुरुवार को मेरठ से चलकर खुर्जा पहुंची। जेवर अड्डे स्थित बाल्मिकी चौक पर हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान के नेतृत्व में यूपी प्रभारी, राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु छिब और कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल का भव्य स्वागत किया । कांग्रेस नेताओं ने जेसीबी से यात्रा पर पुष्पवर्षा की।

बाल्मिकी चौक पर नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर ने कहा कि मोदी सरकार ने अच्छे दिनों का ख्वाब दिखाकर नौजवान, किसान को ठगने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यूपी में नौजवान रोजगार के लिए परेशान है, किसानों बेहाल है लेकिन योगी सरकार धर्म और जाति की राजनीति

में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि यूपी में हत्या, लूट, बलात्कार और छेड़छाड़ के मामले बड़े हैं, यूपी में गुंडाराज है । उन्होंने कहा कि देश में गांधीवादी विचारधारा और भाईचारे को कायम रखने के लिए कांग्रेस को लाना होगा। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु छिब ने कहा कि यूपी के सीएम योगी और पीएम मोदी में झूठ बोलने की होड़ लगी हुई है। उन्होंने कहा कि 2027 में युवा और किसान भाजपा से धोखे का बदला लेगा । राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल ने कहा कि यूपी में भाजपा के खिलाफ सिर्फ कांग्रेस लड़ाई लड़ रही है । उन्होंने कहा कि देश और यूपी में भाजपा का विकल्प सिर्फ कांग्रेस है । कांग्रेस को मजबूत करना संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए जरूरी है । कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान, राष्ट्रीय सचिव विशाल चौधरी और पारस शुक्ला ने कहा कि यूपी में 2027 में नौजवान, किसान और महिलाएं महंगाई, बेरोजगारी से त्राहि त्राहि कर रहे हैं । यात्रा का जगह जगह युवाओं, किसानों और व्यापारियों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान, कांग्रेस नेता भजनलाल विमल, इसराइल गहलोत और गौरव जयराम ने अतिथियों को हल भेंट किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष गांधी, शिवराम बाल्मिकी, भजनलाल विमल, अमित जाटव, गौरव जयराम, अजय छोकर, ऋषि गौतम, धर्मेंद्र महावर, डा शोएब, उम्मेद सूर्यवंशी, नईम मंसूरी, राजकुमार पंडित, डॉ इरफान, साजिद चौधरी, चंद्रपाल सिंह, नवाब खान, सुरेंद्र राघव, सगीर अहमद, नरेश बाल्मिकी, नरेंद्र चौधरी, फहीमुद्दीन, मुनीत चौधरी, इमरान फरीदी, हर्षित शर्मा, दिनेश शर्मा, नितिन शर्मा आदि हजारों लोग मौजूद रहे ।

# दवा व्यापारियों ने भारत बंद के समर्थन में सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

**बुलन्दशहर (सब का सपना):-** जिला बुलंदशहर औषधि विक्रेता समिति रजिस्टर्ड के एक प्रतिनिधिमंडल ने आगामी 20 मई को प्रस्तावित भारत बंद दवा व्यापार के संदर्भ में सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने दवा व्यापारियों की समस्याओं एवं मांगों से प्रशासन को अवगत कराते हुए भारत बंद को सफल बनाने हेतु समर्थन देने की बात कही।

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि दवा व्यापार से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर देशभर के दवा व्यापारी 20 मई को भारत बंद का आह्वान कर रहे हैं। इसी क्रम में बुलंदशहर में भी

औषधि विक्रेताओं द्वारा प्रशासन को ज्ञापन देकर अपनी मांगों पर ध्यान आकर्षित किया गया।

ज्ञापन देने वालों में राजेश शुक्ला, विकास शर्मा, शरद अग्रवाल, अनिल गोयल, राजकुमार, अरविंद अग्रवाल, मनोज शर्मा, रविंद्र पाल सिंह, विमल कुमार शर्मा, अतुल कुमार, उज्जवल गोयल, दिनेश कुमार वर्मा, जसवंत वर्मा, महेंद्र सिंह, नरेश कुमार, पीयूष शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

# बिजनौर में अस्पताल संचालक पर फायरिंग, पूर्व टेक्नीशियन गिरफ्तार

**बिजनौर (सब का सपना):-** शहर के मंडावर रोड स्थित लाइफ लाइन हॉस्पिटल में शनिवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब अस्पताल के एक पूर्व टेक्नीशियन ने अस्पताल संचालक डॉ. अशोक चहल पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना में डॉक्टर बाल-बाल बच गए। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार आरोपी डॉ. सौरभ त्यागी पूर्व में लाइफ लाइन हॉस्पिटल के डायलिसिस विभाग में टेक्नीशियन के रूप में कार्य कर चुका है। आरोप है कि शनिवार रात करीब 11 बजे

वह शराब के नशे में अस्पताल पहुंचा और डॉक्टर अशोक चहल के केबिन में घुसकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने अपने लाइसेंसी हथियार से फायरिंग कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपी ने हवाई फायर भी किए, जिससे अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। मौके पर मौजूद लोगों ने साहस दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि घटना से जुड़ी ऑडियो में गोली चलने की आवाज भी सुनाई दे रही है, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा हमले के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और अस्पताल परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

# मंडावर में आम के बाग में दिखा गुलदार, वन विभाग ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

**मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):-** बिजनौर रोड स्थित पेट्रोल पंप के आगे सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक आम के बाग में गुलदार पेड़ पर बैठा दिखाई दिया। गुलदार की सूचना फैलते ही आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया। एहतियात के तौर पर पेड़ के आसपास लोगों

की आवाजाही रोक दी गई ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार गुलदार को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित रेस्क्यू करने का प्रयास किया जा रहा है। टीम लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और गुलदार की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे मौके पर भीड़ न लगाएं और सुरक्षित दूरी बनाए रखें। गुलदार दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है, जबकि वन विभाग की टीम कई घंटों से रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है।

# पूर्व सैनिकों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

**बुलन्दशहर (सब का सपना):-** कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण बन्धु की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों की शिकायतों की समीक्षा की गई। गत बैठक में प्राप्त 12 शिकायतों का निस्तारण किए जाने की जानकारी दी गई, जबकि

इस बैठक में 18 नए प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अभिषेक कुमार सिंह, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल महेन्द्र प्रसाद सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# एमआरपी व्यवस्था में सुधार को लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने सौंपा ज्ञापन

**बुलन्दशहर (सब का सपना):-** अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, मेरठ प्रांत के तत्वावधान में जनपद बुलंदशहर में जिला अध्यक्ष अरुण चौधरी के नेतृत्व में जिलाधिकारी महोदय को एक ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) व्यवस्था में सुधार एवं उसकी सीमा निर्धारण संबंधी मांगों को लेकर दिया गया। इस अवसर पर ग्राहक पंचायत के प्रांत सचिव पीताम्बर शर्मा ने बताया कि संगठन द्वारा पूरे देशभर में उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए एमआरपी व्यवस्था में पारदर्शिता एवं

सुधार की मांग उठाई जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उपभोक्ताओं को कई वस्तुओं पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, जिससे आम जनता प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि यह ज्ञापन माननीय प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा उपभोक्ता मामलों के मंत्री के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया गया है। ज्ञापन में एमआरपी निर्धारण की स्पष्ट नीति बनाने एवं उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। कार्यक्रम में जिला महिला आयाम प्रमुख अनीता रावत, प्रांत पर्यावरण प्रमुख आलोक परमार, अनुराग भाटी, कमलेश गौड़, नीलम रानी, जगवीर, डॉ. आई.पी. सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ग्राहक पंचायत पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन भविष्य में भी उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा के लिए जनजागरण अभियान एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

# किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

**बुलन्दशहर (सब का सपना):-** भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में हजारों किसानों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गंगा एक्सप्रेसवे को

जोड़ने वाले प्रस्तावित लिंक एयरपोर्ट एक्सप्रेसवे में अधिग्रहित होने वाली जमीन का मुआवजा नोएडा की तर्ज पर 4350 रुपये प्रति मीटर देने की मांग की। साथ ही बुलंदशहर-बदायूं स्टेट हाईवे पर उतार-चढ़ाव सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग उठाई।

# ग्लोबल किड्स प्ले स्कूल में मदर्स डे पर उमंग और उत्साह की झलक

**डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):-** नगर के ग्लोबल किड्स प्ले स्कूल में मदर्स डे के अवसर पर बच्चों की माताओं के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं उनकी माताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।विद्यालय प्रबंधक नव्या गुप्ता की गरिमामयी मौजूदगी में दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का हृदय जीत लिया। वहीं माताओं ने भी गीत, नृत्य एवं अन्य आकर्षक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को और अधिक उल्लासपूर्ण बना दिया। मुख्य

अतिथि ने महिलाओं को देश का सबसे मजबूत स्तंभ बताते हुए उनको उनकी शक्ति के बारे में जागरूक किया।साथ ही स्कूल प्रबंधक नव्या गुप्ता ने मुख्य अतिथि खुशबू सिंह जी का पटका पहना कर बेच लगा कर सम्मानित किया एवं माँ और बच्चों के रिश्ते के बारे में बताया ये एक ऐसा रिश्ता है जिसमें माँ को अपने बच्चों के साथ समय समय पर कैसे अपने आपको परिवर्तित किया जाता है।साथ ही कार्यक्रम में आमंत्रित मुख्य अतिथि एवं मौजूद सभी माताओं का आगमन के लिए आभार प्रकट किया।कार्यक्रम का संचालन याशिका सिंह द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया। कार्यक्रम में माताओं के लिए म्यूजिकल चेयर,बैलेंसिंग स्पून ,बैलेंसिंग बैलून तथा त्वरित परिधान सज्जा प्रतियोगिता जैसी मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में स्वाति शर्मा विजेता रहे।बैलेंसिंग बैलून प्रतियोगिता में रिंकी वार्ष्णेय विजेता रहीं।स्पून बैलेंस में मांशी कटारिया विजेता रहीं।एवं डांस विजेता मोनिका चौधरी रहीं।विद्यालय के समस्त शिक्षकों प्राची,याशिका,जयंती,मीनाक्षी,माधुरी की उपस्थिति एवं सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## नोएडा के दादरी में सीमेंट से लदे ट्रौंले ने बाइक सवार को रौंदा, पैर कटकर अलग; घर के सबसे छोटे बेटे की मौत

**दादरी।** कोतवाली दादरी क्षेत्र के कोट नहर पुल के पास ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आने से युवक की मौत मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार सचिन 22 निवासी छौलस जारचा सोमवार सुबह मोटरसाइकिल से रोजाना की तरह कासना निजी कंपनी में डयूटी पर मोटरसाइकिल से जा रहा था। घर में सबसे छोटा था सचिन, नहीं हुई थी शादी जैसे वह कोट नहर पुल से चक्रसेनपुर की तरफ मुड़ा, तभी सीमेंट से भरे ट्रॉले के पहिए के नीचे आने से मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक सचिन परिवार में सबसे छोटा है। पिता वेदप्रकाश गांव में बेल्डिंग का कार्य करते हैं। बड़ा भाई गौरव वह भी ग्रेटर नोएडा निजी कंपनी में काम करता है। बड़ी बहन सोनिया हैं। सचिन की अभी शादी नहीं हुई थी।

## दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हाशिम बाबा और राशिद गैंग के 6 शूटर गिरफ्तार; अवैध हथियार बरामद

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर के गैंगस्टरों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने लगातार धरपकड़ की करवाई तेज कर दी है। ऑपरेशन गैंग ब्रस्ट नाम से पूरी दिल्ली पुलिस कई बार दिल्ली एनसीआर और पड़ोसी राज्यों में ज्वाइंट ऑपरेशन चला चुकी है। स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच भी अलग-अलग कारवाई कर रही है। इसी कड़ी में रविवार को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने यमुनापार के कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा और राशिद केबल वाला गिरोह के छह शूटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार शूटरों के खिलाफ रंगदारी मांगने, कांट्रैक्ट किलिंग और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। इनके पास से अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए हैं। दोनों गैंगस्टर वर्तमान में जेल में बंद है। आईएसआई से गहरा कनेक्शन हाशिम बाबा मकोका में कई साल से तिहाड़ में बंद है। राशिद को स्पेशल सेल ने कई साल पहले नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। उसका पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से गहरा कनेक्शन है। शाहबाज अंसारी के लिए काम करता था राशिद राशिद पहले बांग्लादेश में रह रहे विदेशी हथियारों का देश का सबसे बड़ा तस्कर खुर्जा के रहने वाले शाहबाज अंसारी के लिए काम करता था। बाद में अंसारी से अलग होकर उसने खुद आईएसआई के संरक्षण में विदेशी हथियारों की तस्करी करना शुरू कर दिया था। पुलिस के अनुसार, उसने नेपाल में अपना ठिकाना बनाया था। पाकिस्तान से फ्लाइट से नेपाल में विदेशी हथियारों की खेप मंगवाता था।

## 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैक्लिन फर्नांडिज की सरकारी गवाह बनने की अर्जी का ईडी ने किया विरोध

**नई दिल्ली।** ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की अर्जी का सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पटियाला हाउस की विशेष अदालत में विरोध किया। जैकलीन ने मामले में सरकारी गवाह बनने की अर्जी दी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने जैकलीन को ईडी के जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 12 मई तक के स्थगित कर दी।

## दिल्ली: नेहरू प्लेस में नार्थ की दो महिलाओं के साथ अभद्रता और मारपीट, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीमें

**दक्षिणी दिल्ली।** दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर थाना क्षेत्र में लगातार दो घटनाओं के बाद अब कालकाजी थाना क्षेत्र में नार्थ ईस्ट की महिलाओं संग अभद्रता और मारपीट का मामला सामने आया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़िताओं को एम्स अस्पताल पहुंचाया। उपचार के बाद उनके बयान और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चार आरोपितों की पहचान की गई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए दक्षिणी पूर्वी जिले की पुलिस दबिश दे रही है। 10 मई की है घटना दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी के मुताबिक, घटना 10 मई की है। कालकाजी थाने में सुबह सात बजे पीसीआर कॉल मिली। टीम फोरन इरोस होटल, नेहरू प्लेस के पास एक चाय की दुकान के पास पहुंची। वहीं दो पीड़िताएं मिलीं। बताया कि कुछ लोगों ने पीड़िताओं पर अपमानजनक टिप्पणियां की, उनके साथ गाली-गलौज की। बात बढ़ी तो उनके साथ आरोपियों ने मारपीट भी की। पुलिस टीम ने पीड़िताओं को एम्स पहुंचाकर मेडिकल जांच कराई। कई धाराओं में केस दर्ज इसके बाद पुलिस ने उनकी शिकायत पर कालकाजी थाने में बीएनएस की धारा 115(2), 74, 126(2), 351(2), 78 और 3(5) के तहत एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, आस-पास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच, लोगों से पूछताछ के आधार पर आठ लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ में चारों मुख्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। चारों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर छापामारी कर रही हैं।

# अवैध हथियारों का जखीरा बरामद, क्लब से निकलते ही दबोचे गए शूटर; हाशिम और राशिद गैंग के लिए करते थे काम

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में संगठित अपराध और गैंगवार पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 'ऑपरेशन गैंग-बस्ट 2.0' के तहत कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर राशिद केबल वाला और तिहाड़ जेल में बंद हाशिम बाबा गिरोह के छह सक्रिय गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 10 अवैध हथियार और 81 कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए सभी बदमाश हत्या, रंगदारी और जानलेवा हमले जैसे जघन्य अपराधों में शामिल रहे हैं। सक्रिय गिरोहों पर रख रही थी नजर क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा का कहना है कि इंस्पेक्टर प्रकाश चंद की टीम दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय गिरोहों पर नजर रख रही थी। तभी छह मई को पुलिस टीम को जानकारी मिली कि राशिद केबल वाला और हाशिम बाबा गिरोह के सदस्य करोल बाग स्थित एफ-बार एंड लोंज में जमा हुए हैं। सार्वजनिक सुरक्षा और क्लब के भीतर भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस बाहर ही मौजूद रही। तड़के 4.5 बजे जैसे ही चार बदमाश क्लब से बाहर निकलकर मारुति बलेनो कार की ओर बढ़े, पुलिस टीम ने उन्हें दबोच लिया। रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई वहीं, कार की तलाशी लेने पर चार पिस्टल (दो इटली निर्मित बेरेटा पिस्टल शामिल) और 32 कारतूस बरामद हुए।

बदमाशों की गिरफ्तारी के बाद रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने दो और सक्रिय बदमाशों इमरान उर्फ तेली और अर्शद उर्फ छोटा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से भी अवैध हथियार बरामद किए। इनकी निशानदेही पर और हथियार व कारतूस बरामद किए गए। चारों के पास से नौ पिस्टल और प्वाइंट 32 बोर की विदेशी व स्वदेशी पिस्टल, एक राइफल, 81 कारतूस, एक मारुति बलेनो कार बरामद की गई। दुबई में छिपे थे ये सभी शूटर वहीं, जांच में पता चला कि ये सभी शूटर दुबई में छिपे थे और राशिद केबल वाला के सीधे संपर्क में थे। पुलिस की नजरों से बचने के लिए ये लोग सिग्नल एप का इस्तेमाल करते थे। राशिद इन्हें सट्टा कारोबार चलाने, क्लबों से रंगदारी वसूलने और विरोधी गिरोहों के बदमाशों की हत्या करने के निर्देश देता था। राशिद केबल वाला दिल्ली पुलिस का मोस्टवांटेड अपराधी है। वह जेल में बंद हाशिम बाबा का करीबी सहयोगी है और वर्तमान में दुबई से गिरोह को आपरेट कर रहा है। उसका नाम कई हत्याकांड में आया है। जिनमें ग्रेटर कैलाश एक में चर्चित नादिर शाह हत्याकांड (सितंबर 2024), पूर्वी दिल्ली दोहरा हत्याकांड (दिवाली 2024), कृष्णा नगर के व्यापारी सुनील जैन हत्याकांड (दिसंबर 2024) शामिल है। ब्लैक पैंथर कैफे में की थी फायरिंग गिरफ्तार बदमाशों में नवाजिश, इस गिरोह का मुख्य हथियार संचालक बताया गया। इसने 2024 में प्रीत विहार के 'ब्लैक पैंथर कैफे' में फायरिंग की थी। इसके पास से पांच हथियार बरामद हुए हैं। माज के मामा अपराधी हैं वह जेल में बंद हैं। जान खतरे में देखकर यह गिरोह में शामिल हुआ और क्लबों से वसूली का काम देखने लगा। इमरान उर्फ तेली इलाके का घोषित बदमाश है। यह गैंग की वित्तीय गतिविधियों और हथियारों की सप्लाई चेन संभालता था। यह 2020 के दिल्ली दंगों में भी शामिल रहा है।

## दिल्ली में बेघर लोगों के लिए पांच दिवसीय बचाव अभियान शुरू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी

**नई दिल्ली।** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को बेघर और जरूरतमंद लोगों की पहचान करने और उन्हें आश्रय स्थलों तक पहुंचाने के लिए बचाव वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि पांच दिवसीय अभियान के तहत बेघर लोगों को अपना घर आश्रम संगठन द्वारा संचालित आश्रय स्थलों में ले जाया जाएगा, जहां उनकी यथोचित देखभाल की जाएगी। उन्होंने कहा कि पांच दिनों के मूल्यांकन के बाद वैन की संख्या बढ़ाई जाएगी। यह अभियान दिल्ली सरकार के समाज

कल्याण विभाग, अपना घर आश्रम और सेवा भारती दिल्ली प्रांत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जरूरतमंद, असहाय और जरूरतमंद लोगों के लिए यह अभियान 11 से 15 मई तक राष्ट्रीय राजधानी के सभी 13 जिलों में चलाया जाएगा। देखभाल और पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य शहर के विभिन्न हिस्सों से जरूरतमंद लोगों को बचाना और उन्हें आश्रय स्थलों तक लाना है, जहां उनके इलाज, देखभाल और पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली भर में बचाव अभियान के लिए 19 वाहन तैनात किए गए हैं और इस अभियान के दौरान 300 से अधिक लोगों को सहायता मिलने की उम्मीद है।

## दिल्ली में कैप्टन गौड़ मार्ग का रास्ता बदला, टी-प्वाइंट के बजाय अब 2 जगहों से यू-टर्न; ओखला मंडी तक जाम खत्म

**दक्षिणी दिल्ली।** ईस्ट आफ कैलाश की ओर से आने पर कैप्टन गौड़ मार्ग पर बनने वाला टी-प्वाइंट न केवल ट्रैफिक पुलिस के लिए सिरदर्द था, बल्कि राजा धीर सेन मार्ग की कालोनियों के लिए परेशान बन गया था। पीक समय यानी सुबह व शाम को कई बार वाहनों की कतार कैप्टन गौड़ मार्ग पर पीछे ओखला मंडी तक और दूसरी तरफ बढ़कर रिंग रोड तक पहुंच जाती थी। स्थानीय आरडब्ल्यूए के सुझाव पर ट्रैफिक पुलिस ने बैरिकेड लगाकर इस टी-प्वाइंट को बंद कर दिया है। आवागमन के लिए 100 मीटर आगे व पीछे यू-टर्न दिया गया है। इसके चलते कैप्टन गौड़ मार्ग से लेकर राजा धीर सेन मार्ग पर लगने वाला जाम काफी हद तक नियंत्रित हो गया है। 100 मीटर आगे जाकर लेना होगा यू-टर्न एक सप्ताह पहले बनी इस नई व्यवस्था के तहत अब राजा धीर सेन मार्ग से ओखला मंडी की तरफ जाने के लिए टी-प्वाइंट से बायी तरफ 100 मीटर आगे जाकर यू-टर्न लेना होगा। वहीं रिंग रोड की तरफ से राजा धीर सेन मार्ग (इस्कान मंदिर की ओर) जाने वालों को कैप्टन गौड़ मार्ग पर टी-प्वाइंट के 100 मीटर आगे से यू-टर्न लेकर जाना होगा। पार्षद राजपाल सिंह ने कहा कि क्षेत्र को जाम से मुक्त रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस की यह पहल सराहनीय है। इससे निश्चित रूप से लोगों स्थानीय निवासियों को काफी राहत मिली है। उपराज्यपाल ने आरडब्ल्यूए से मांगा था सहयोग पिछले माह मीडिया से बातचीत में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए आरडब्ल्यूए का सुझाव और सहयोग लेने की बात कही थी। सड़क किनारे अवैध रूप से पार्क होने वाले वाहनों की समस्या को खत्म करने के लिए नई व्यवस्था बनाने और राजधानी में स्ट्रीट लाइट एवं ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर संचालन के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग पर जोर दिया था। उपराज्यपाल के निर्देश के क्रम में आरडब्ल्यूए के सुझाव पर ट्रैफिक विभाग ने यह पहल की है।

## दिल्ली पुलिस ने ओप्पो, वनप्लस और रियलमी के नकली मोबाइल बेचने वालों का किया पदार्फाश, 2 गोदाम और 1 फैक्ट्री सीज

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस को ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली मोबाइल बनाकर उनकी हूबहू पैकेजिंग करके बेचने वाले गैंग का पदार्फाश किया है। ओप्पो, रीयलमी और वनप्लस के मोबाइल की नकली कॉपी बनाकर रखे गए दो गोदामों को सीज करने के साथ ही दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन नकली हैंडसेट की खेप किन बाजारों में बेची जा रही थी, ताकि इस पूरे गैंग को बेनकाब किया जा सके। दिल्ली में दो गोदाम और एक फैक्ट्री सीज जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली मोबाइल बनाकर उनकी बड़े स्तर पर खरीद-फरोख्त की जा

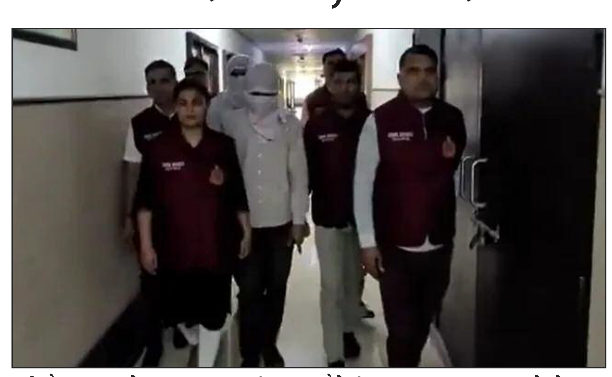

रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने करोल बाग के रेघरपुरा स्थित दो गोदामों को सील कर दिया, जहां इन नकली उत्पादों की पैकेजिंग और ब्रांडिंग की जा रही थी। वहीं, राजधानी के मोती नगर स्थित एक फैक्ट्री को भी सील कर दिया गया, जहां इन कंपनियों के उत्पादों के पैकेजिंग बॉक्स बनाए जा रहे थे। इस अवैध कार्रवाई में इस्तेमाल हो रही आठ मशीनें भी जब्त कर ली गईं। बड़े पैमाने पर नकली मोबाइल की ब्रांडिंग इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जो बड़े पैमाने पर नकली उत्पाद पैकेजिंग कर उन्हें प्रतिष्ठित ब्रांड्स के नाम पर बाजार में बेच रहे थे। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा की एंटी गैंग स्क्वॉयड (एजीएस) यूनिट की एक बड़ी कार्रवाई में ओप्पो, वनप्लस और रीयलमी जैसे प्रसिद्ध मोबाइल ब्रांड्स के नकली उत्पादों और पैकेजिंग सामग्री से जुड़े दो गोदामों तथा एक फैक्ट्री को सील कर दिया गया। सिंडिकेट का पूरा खुलासा करने का प्रयास ऑपरेशन के दौरान एक प्रिंटिंग प्रेस और तीन गोदाम मिले, जहां मशीनों की मदद से नकली उत्पादों को पैकेजिंग और ब्रांडिंग किया जा रहा था। नकली उत्पाद बनाने में इस्तेमाल हो रही आठ मशीनें भी जब्त कर ली गईं। पुलिस अब गिरफ्तार किए गए दो शातिरों से पूछताछ कर सिंडिकेट का पूरा खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

## भारत-अफ्रीका फोरम समिट और बिग कैट एलायंस की बैठक, जी-20 की तर्ज पर दिल्ली में भव्य तैयारियां

**नई दिल्ली।** चौथी भारत अफ्रीका फोरम समिट और पहली इंटरनेशनल बिग कैट अलाइंस (आइबीसीए) की बैठक के लिए दिल्ली को जी-20 शिखर सम्मेलन की तर्ज पर संजाया जाएगा। 28 मई से एक जून तक भारत मंडपम में होने वाले दोनों आयोजनों में कई देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। लुटियंस दिल्ली में होटलों में इनकी बुकिंग की गई है। इनके एयरपोर्ट से होटल और कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के मार्गों पर स्वच्छता और सुंदरीकरण के व्यापक इंतजाम होंगे। साथ ही बेसहारा पशु व आवारा कुत्ते मार्ग पर नहीं हो, ये भी सुनिश्चित किया जाएगा। प्रमुख पर्यटन स्थलों और बाजारों में भी सफाई और सुंदरीकरण किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। दिल्ली के मुख्य सचिव के स्तर पर तैयारियों के लिए समीक्षा बैठक हो चुकी है। एमसीडी आयुक्त और एनडीएमसी के चेयरमैन की देखरेख में पीडब्ल्यूडी सहित अन्य एजेंसियों ने काम करना शुरू कर दिया है। सभी कार्यों को पूरा करने की समयसीमा 25 मई तय की गई है। एमसीडी के एक अधिकारी ने बताया कि सभी जोनल उपायुक्तों को अपने-अपने जोन में आने वाले कार्यों का नोडल अधिकारी नियुक्त कर कार्य गति तेज करने और तय समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने कहा कि चाहे जी-20 शिखर सम्मेलन हो या फिर एआई समिट, एनडीएमसी ने सभी आयोजनों में पुख्ता व्यवस्था की। पूर्व के अनुभव के आधार पर हम और बेहतर तैयारी करेंगे। अधिकारियों से लगातार निगरानी कर उनसे रिपोर्ट ली जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इतने बड़े-बड़े आयोजन का केंद्र दिल्ली बन रहा है, जिससे दिल्ली वाले अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के गवाह बन रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जी-20 शिखर सम्मेलन में वन विभाग ने 3.75 लाख, डीडीए ने 50 हजार, एनडीएमसी ने एक लाख और एमसीडी ने 50 हजार सजावटी फूलों के गमले और पौधे सड़कों के किनारे लगाए थे।

## सोमनाथ विजय के 75 वर्ष: सीएम रेखा गुप्ता ने गौरी शंकर मंदिर में टेका मत्था, 'विकास और विरासत' के संकल्प को दोहराया

**नई दिल्ली।** सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर सोमवार को देश भर में भक्ति और हर्षोल्लास का वातावरण रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयोजित इस विशेष उत्सव के क्रम में, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के प्राचीन एवं ऐतिहासिक श्री गौरी शंकर मंदिर (चांदनी चौक) पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना और जलाभिषेक किया। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और अटूट श्रद्धा का संगम आज का दिन भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। एक ओर जहां प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के प्रभास पाटन स्थित सोमनाथ मंदिर

में नतमस्तक होकर राष्ट्र की खुशहाली की कामना की, वहीं दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनी कैबिनेट के सहयोगियों के साथ देवाधिदेव महादेव की आराधना की। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा और कपिल मिश्रा के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर में सोमनाथ मंदिर के मुख्य आयोजन का लाइव प्रसारण देखा गया, जिससे श्रद्धालु वर्चुअली इस भव्य क्षण के साक्षी बने। 'हर हर महादेव' के जयकारों से पूरा चांदनी चौक और मंदिर प्रांगण गुंजायमान हो उठा। विरासत भी, विकास भी पूजा के उपरांत मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का इतिहास भारत की अपराजेय जिजीविषा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अनगिनत आक्रमणों और विध्वंसों के बावजूद सोमनाथ का बार-बार उठ खड़ा होना यह संदेश देता है कि भारत की सनातन चेतना को कोई पराजित नहीं कर सकता।

आज प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश 'विकास भी और विरासत भी' के मंत्र पर चल रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली सरकार के वरिष्ठ मंत्री और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंत्रियों ने भी इस अवसर को भारत की सांस्कृतिक एकता का महापर्व बताया और सोमनाथ के 75 गौरवशाली वर्षों को आत्मसम्मान का प्रतीक करार दिया।

# पंजाब के बेअदबी कानून पर दिल्ली के सिखों का विरोध, आंदोलन की चेतावनी

**नई दिल्ली।** पंजाब सरकार द्वारा लाए गए 'गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान संशोधन अधिनियम 2026' का दिल्ली का सिख भी विरोध कर रहे हैं। कानून की कमियों को दूर नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी (डीएसजीएमसी) की सदस्य और गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नॉलाजी (जीटीबीआइटी) की अध्यक्ष रंजीत कौर ने कहा कि यह कानून श्री गुरु ग्रंथ साहिब के सम्मान की रक्षा करने के लिए नहीं बल्कि लोगों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने और सिख समुदाय को गुमराह करने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें सबसे बड़ी कमी यह है कि कानून में 'अपवित्रता' की स्पष्ट परिभाषा नहीं दी गई है, जिससे भविष्य में इसका दुरुपयोग हो सकता है। सरकार ने सजा की बात तो की है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया है कि जांच कैसे की जाएगी, दोषियों को कैसे दंडित किया

जाएगा और निर्दोष लोगों को झूठे मुकदमों से कैसे बचाया जाएगा। जिनके शासनकाल में आज तक बेअदबी के असली दोषियों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया गया है और अब वे नए कानून लाकर सिखों की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार वाकई ईमानदार है तो उसे पहले राम रहीम जैसे बेअदबी के दोषियों को कड़ी सजा देनी चाहिए और फिर नए कानूनों की बात करनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह कानून सिख संगठनों, एसजीपीसी, दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी, हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी, पंथिक विद्वानों और कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श किए बिना बनाया गया है, जिससे स्पष्ट होता है कि सरकार केवल राजनीतिक लाभ प्राप्त करना चाहती है। धार्मिक मामलों पर जल्दबाजी में बनाए गए कानून समाज के लिए कभी भी अच्छे साबित नहीं होते। सिख समुदाय भावनात्मक नारों से नहीं, बल्कि सच्चे न्याय से संतुष्ट हो सकता है। उन्होंने पंजाब सरकार को चेतावनी दी कि यदि कानून में मौजूद कमियों को दूर नहीं किया गया, तो पंथक दल एक बड़ा संघर्ष छेड़ेंगे।

**अगर आपके बाल भी रूखे सूखे और बेजान हो गए हैं तो उन्हें सुलझाने के लिए और उनकी नेचुरल चमक को वापस लाने के लिए आप इन दो घरेलू नुस्खों को ज़रूर आज़माए। इनकी मदद से आपके बाल न केवल शाइनी होंगे बल्कि जड़ से मजबूत और हेल्दी भी होंगे। साथ ही बालों का झड़ना भी कम होगा। चलिए, जानते हैं वे नुस्खे कौन से हैं?**

# रूखे और बेजान बालों को चमकाने के लिए इन नुस्खों का करें इस्तेमाल, रेशम से सिल्की हो जाएंगे बाल

**इन दो नुस्खों का करें इस्तेमाल :**

अलसी का जेल : अलसी के बीजों में ऐसे कई फायदेमंद तत्व पाए जाते हैं, जो बालों की सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं ।अलसी में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड बालों को चमकने के अलावा उन्हें झड़ने से बचाता है। साथ ही ये सिर की त्वचा की सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल : अलसी के जेल को शहद, दही के साथ मिलाएं। इस मास्क को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं, 15-20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धो लें। इससे बालों में नमी और चमक बढ़ सकती है।

चावल का पानी : चावल का पानी कई पोषक तत्वों जैसे विटामिन क्र, ष्ट, श्व, मिनरल्स और अमीनो एसिड से भरपूर होता है। यह बालों की सतह पर होने वाले घर्षण को कम करने में मदद करता है जिससे बाल रेशमी और चमकदार बनते हैं और उनमें रूखापन कम होता है।

कैसे करें इस्तेमाल : कच्चे चावलों को लगभग 30 मिनट तक पानी में भिगोकर रखें। चावलों को छान लें और पानी को अलग रख लें। बालों में शैम्पू करें और नल के पानी से धो लें। इसके बाद, बालों और सिर की त्वचा को उस चावल के पानी से धोएँ जिसे आपने अलग रखा था। इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें और आखिर में पानी से धो लें।

**शाइनी और मजबूत हेयर के लिए इन बातों का भी रखें ख्याल :**

तौलिए की जगह सूती का करें इस्तेमाल : अगर आप भी तौलिए का इस्तेमाल बालों को सुखाने के लिए कर रहे हैं तो इस आदत को बदल दें। तौलियों से ज़ोर से रगड़ने से बालों में घर्षण पैदा होता है, जिससे बाल टूट जाते हैं। इसलिए, तौलिए की जगह सूती कपड़े का इस्तेमाल करें, जिससे आप अपने बालों को सुखा सकें।

बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल न करें : अगर आप बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बालों के क्यूटिकल्स खुल जाते हैं। लेकिन जब आप बाल धोने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो यह क्यूटिकल्स को बंद कर देता है और बालों को रेशमी और सीधा रखने में मदद करता है।

हीट टूल्स का इस्तेमाल करने से बचें : अगर आप अपने बालों को ठीक करने के लिए ब्लो ड्रायर या इलेक्ट्रिक स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो असल में आप अपने बालों को कमज़ोर बना रहे हैं। इसीलिए आपको ड्रायर और इस तरह के अन्य उपकरणों का नियमित इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

# कच्चे आम की लौंजी बनाकर खाएं, खट्टा मीठा स्वाद चखते ही मजा आ जाएगा, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

कच्चे आम का सीजन आते ही लोग आम की चटनी, आम का अचार और आम की लौंजी बनाकर खाते हैं। अगर आपको भी कुछ खट्टा मीठा और स्वादिष्ट खाना है तो आम की लौंजी बनाकर खा सकते हैं। बिना प्याज, लहसुन और टमाटर के आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाती है। इसका स्वाद इतना अच्छा होता है कि आप लौंजी से 1-2 रोटी ज्यादा खा जाएंगे। अगर आपने अभी तक आम की लौंजी ट्राई नहीं की तो ये रेसिपी एक बार जरूर बनाएं। खास बात ये है कि कच्चे आम की लौंजी कई दिनों तक खराब नहीं होती है। इसका स्वाद बहुत ही मजेदार होता है। फटाफट नोट कर लें कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी।

## कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी

पहला स्टेप- कच्चे आम की लौंजी बनाने के लिए आपको 3-4 कच्चे आम लेने हैं। आम को अच्छी तरह से धो लें और उसे छील लें। अब आम को मोटे-मोटे टुकड़ों में काट लें। गुठलियां निकाल लें और उन्हें फेंके नहीं बल्कि सब्जी में ही डाल दें।

दूसरा स्टेप- लौंजी के लिए कड़ाही में सरसों का तेल डालें। आपको बहुत कम तेल इस्तेमाल करना है। अब तेल में हरी सौंफ डालें और हल्दी, नमक और लाल मिर्च पाउडर डाल दें। अब इसमें कटे हुए कच्चे आम और उसकी गुठलियां डाल दें। सारी चीजों को मिक्स करके 1 गिलास पानी डाल दें।

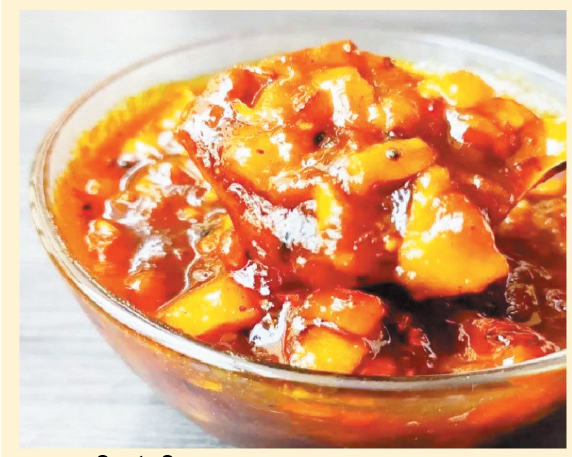

**आम की लौंजी**

तीसरा स्टेप- अब आम को अच्छी तरह से गलने तक पकाएं। जब आम पक जाए तो इसमें थोड़ा स्वाद बढ़ाने के लिए काला नमक और काली मिर्च का पाउडर डाल दें। अब मीठा करने के लिए इसमें गुड़, जैगरी पाउडर या फिर चीनी मिला दें। आप इसे अपने स्वाद के हिसाब से मीठा कम या ज्यादा रख सकते हैं। लौंजी में पानी कम हो तो थोड़ा और डाल लें।

चौथा स्टेप- आम की लौंजी को हल्का लुटपुटा बनाते हैं। बहुत ज्यादा पानी या बहुत गाढ़ा न करें। इस तरह स्वादिष्ट आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाएगी। आप इसे रोटी और चावल के साथ खाएं। आम की लौंजी को अच्छी तरह 8-10 दिन तक फ्रिज में रखकर खा सकते हैं।

# चेहरे पर कैसे लगाएं दूध की मलाई, ग्लो करने लगेगा चेहरा

## रूखी त्वचा भी बन जाएगी मुलायम

दूध को त्वचा के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि सिर्फ दूध ही नहीं, बल्कि दूध की मलाई भी आपकी त्वचा की सेहत पर पॉजिटिव असर डाल सकती है? दूध की मलाई में मौजूद तमाम औषधीय गुण स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकते हैं। आज हम आपको पोषक तत्वों से भरपूर दूध की मलाई को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के सही तरीके के बारे में बताएंगे।

कैसे लगाएं मलाई- सबसे पहले एक कटोरी में थोड़ी सी मलाई निकाल लीजिए। इसके बाद आपको इसी कटोरी में चुटकी भर हल्दी पाउडर को भी निकाल लेना है। अब आपको इन दोनों केमिकल फ्री चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आप इस पेस्ट को फेस पैक की तरह एक हफ्ते में 1 से 2 बार अप्लाई कर सकते हैं।

अप्लाई करने का तरीका- इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लीजिए। लगभग 5 मिनट तक अपने चेहरे की मसाज जरूर करें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको लगभग 20 मिनट तक इस फेस पैक को अपनी त्वचा पर लगाए रखना है। 20 मिनट के बाद आप फेस वॉश कर सकते हैं। हालांकि, आपको दूध की मलाई को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

त्वचा के लिए वरदान- त्वचा का निखार बढ़ाने के लिए और त्वचा को गहराई से पोषण देने के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। क्या आप दाग-धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आप इस फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। दूध की मलाई में एंटी एजिंग गुण भी मौजूद होते हैं यानी झुर्रियों को रोकने के लिए भी इस फेस पैक को यूज किया जा सकता है। इस फेस पैक की मदद से रूखी त्वचा को मुलायम बनाया जा सकता है।

डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

# बादाम के तेल में मिलाएं ये 1 चीज, तैयार हो जाएगी घर में बनी नेचुरल फेस क्रीम, लगाते ही मक्खन सी चिकनी होगी त्वचा

त्वचा को स्वस्थ और खूबसूरत बनाने के लिए चेहरे पर मालिश करना जरूरी है। मसाज के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मिल जाती हैं। लेकिन आप घर में सिर्फ बादाम के तेल और एलोवेरा जेल से एकदम नेचुरल और होममेड क्रीम तैयार कर सकते है। आपको यकीन नहीं होगा कि तेल से इतनी आसानी से क्रीम बन जाएगी। आप इसे कुछ दिनों तक लगातार चेहरे पर लगाएंगे तो निखार साफ नजर आने लगेगा। बाबाद और एलोवेरा से बनी ये क्रीम झुर्रियों को दूर करने, झाईं और दाग मिटाने और एजिंग को कम करने में मदद करती है। इस क्रीम को बनाना बच्चों का खेल है। इतनी आसानी से और मिनटों में घर में बादाम के प्योर शुद्ध तेल से क्रीम बन जाएगी। जानिए बादाम तेल से क्रीम बनाने का तरीका क्या है?

## बादाम तेल से क्रीम कैसे बनाएं

इसके लिए आपको बादाम का शुद्ध तेल लेना है। आप घर में बादाम का तेल निकाल सकते हैं। बाजार से त्वचा पर लगाने के लिए कोल्ड प्रेस बादाम का खरीद सकते हैं। बादाम के तेल को कटोरी में निकाल लें। 4 चम्मच तेल में करीब 4 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स करें। इसमें 2 विटामिन ई के कैप्सूल डालें और सारी चीजों को चम्मच की मदद से लगातार चलाते रहें। थोड़ी देर चलाने के बाद ही तेल और जेल मिलकर क्रीम जैसी बन जाएगी। इसका रंग भी व्हाइट और क्रीमी होने लगेगा।

## बादाम क्रीम को चेहरे पर कैसे लगाएं

इस क्रीम को एक एयरटाइट कांच की शीशी या किसी क्राम के ट्यूब में भर दें। आप इसे रोजाना रात में सोते वक्त पूरे चेहरे पर अच्छी तरह से लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से चेहरे की मालिश करें। इसके बाद सो जाएं। सुबह पानी से चेहरे को धो लें। बादाम के तेल से बनी इस क्रीम का इस्तेमाल आप दिन में किसी भी वक्त कर सकते हैं। नहाने से पहले या नहाने के बाद इस क्रीम से फेस मसाज करना फायदेमंद साबित होगा। आप इसे लंबे समय तक आसानी से स्टोर कर सकते हैं। बादाम के तेल में भरपूर विटामिन ई पाया जाता है जिससे एजिंग को कम किया जा सकता है। वहीं एलोवेरा त्वचा में नमी को लॉक करने का काम करता है।

# नाश्ते में झटपट बनाएं टेस्टी और हेल्दी रागी चीला, वेट लॉस में है मददगार

सुबह का नाश्ता दिन का पहला मील होता है। इसलिए नाश्ते में हमेशा हेल्दी चीजें खानी चाहिए। सुबह की जल्दबाजी में लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाया जाए। अक्सर लोग एक ही तरह का नाश्ता करके बोर हो जाते हैं। ऐसे में रागी का चीला स्वाद और सेहत दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हो सकता है। रागी का चीला खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है और इसे बनाना बेहद आसान भी है। रागी चीला ग्लूटन-फ्री और कम कैलोरी वाला नाश्ता है। ऐसे में जो लोग वेट लॉस करना चाहते हैं वो इसका सेवन कर सकते हैं।

**सामग्री**

रागी का आटा- 1 कप

बेसन या सूजी- 2-3 बड़े चम्मच (बाइंडिंग के लिए)

दही- द कप

प्याज -1 मध्यम (बारीक कटा हुआ)

हरी मिर्च - 1-2 (बारीक कटी हुई)

अदरक-लहसुन पेस्ट - ड्ड छोटा चम्मच

ताजा धनिया - बारीक कटा हुआ

सब्जियां - कद्दूकस की हुई गाजर या बारीक कटी शिमला मिर्च (स्वादानुसार)

मसाले - नमक, हल्दी, जीरा पाउडर, और थोड़ी सी हींग

पानी - आवश्यकतानुसार (घोल बनाने के लिए)

तेल/घी - सेकने के लिए

बनाने की विधि

**घोल तैयार करें**

एक बड़े बाउल में रागी का आटा, बेसन/सूजी, नमक और सभी सूखे मसाले मिला लें। अब इसमें दही और थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर एक मध्यम गाढ़ा घोल तैयार करें। ध्यान रहे कि गुठलियां न बनें।

**सब्जियां मिलाएं**

इस घोल में कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरा धनिया और अपनी मनपसंद सब्जियां डालकर अच्छी तरह मिलाएं। घोल को 10-15 मिनट के लिए ढककर रख दें।

**तवा गरम करें**

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और उस पर थोड़ा सा तेल या घी लगाकर चिकना कर लें।

**चीला फैलाएं**

आंच को धीमा करें और एक बड़ा चम्मच घोल तवे के बीच में डालें। इसे धीरे-धीरे गोल घुमाते हुए फैलाएं।

**सेकें**

चीले के किनारों पर थोड़ा सा तेल डालें। इसे मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकने दें जब तक कि ऊपर की सतह सूखी न दिखने लगे।

**पलटें**

अब चीले को पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

# अगले प्रोजेक्ट में कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

अभिनेता ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है।

## कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो 'गुल्लक' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

## 'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे ईशान

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर को आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'होमबाउंड' में देखा गया था। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म उत्तर भारतीय शहर में दो बचपन के दोस्तों चंदन, एक दलित और शोएब एक मुस्लिम की कहानी है। दोनों पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन परीक्षा परिणामों में देरी से सब कुछ बदल जाता है। ईशान अब 'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे। निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की थी।

# टॉक्सिक में यश के साथ बोल्ड सीन वाली खबरों पर कियारा आडवाणी ने दिया रिएक्शन

कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। जब इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ तो इसमें दिखाए गए बोल्ड सीन चर्चा का विषय बन गए। हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि कियारा और यश के बीच फिल्म में कुछ बोल्ड सीन हैं। खबरें यह भी थीं कि कियारा ने मेकर्स से उन सीन को थोड़ा कम करने की गुजारिश की है। इस मामले पर अब कियारा ने रिएक्शन दिया है।

## कियारा ने दिया रिएक्शन

इस तरह की खबरों को कियारा आडवाणी ने सिरे से खारिज किया है जिनमें कहा गया था कि उन्होंने मेकर्स से बोल्ड सीन कम करने की गुजारिश की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें यश के साथ उनकी तस्वीर है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'बिल्कुल बकवास!' कियारा के यह साफ करने के बाद कि ये खबरें झूठी हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में उनके और यश के बीच कोई बोल्ड सीन होंगे या नहीं।

## इस वजह से टल गई रिलीज डेट

'टॉक्सिक' इस साल मार्च में, ईद के मौके पर रिलीज होने वाली थी। हालांकि, इसकी रिलीज डेट 4 जून 2026 तक के लिए टाल दी गई थी, ताकि यह फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ क्लैश होने से बच जाए। मगर कुछ दिनों पहले मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर आगे बढ़ाई जा रही है।

## 4 जून को नहीं रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स ने एक नोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'टॉक्सिक' पूरी हो चुकी है। हम इस समय इसके ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और पार्टनरशिप को अंतिम रूप देने में लगे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने अपनी रिलीज टाइमलाइन को फिर से तय करने का फैसला किया है। हालांकि पहले घोषणा की गई थी कि हम इसे 4 जून को रिलीज नहीं करेंगे। हम इसे बाद में तय की गई किसी तारीख पर रिलीज करेंगे।'

## कौन है फिल्म की निर्देशक

अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे। इसके निर्देशक गीतू मोहनदास हैं।

# रश्मिका मंदाना ने पूरा किया फिल्म 'माइसा' का शेड्यूल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने मंगलवार को अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' का केरल शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की टीम के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपनी पूरी टीम के साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। वीडियो में सेट की थकान के बावजूद पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ देखी जा सकती है। रश्मिका ने टीम का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, 'दोस्तों, एक छोटा सा अपडेट यह है कि हमने केरल में माइसा का एक लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। ये कुछ प्यारे लोग हैं, जिन्होंने बहुत मेहनत की और इस प्रोजेक्ट को मुमकिन बनाया। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया। मैं जल्द ही दोबारा सेट पर वापसी करूंगी।' फिल्म 'माइसा' में रश्मिका का किरदार उनके पिछले किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। केरल की खूबसूरत लोकेशन्स पर इस फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी इस बेहतरीन अनुभव के लिए टैग किया है। 'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन राविंद्र पुल्ले कर रहे हैं। वहीं अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत इसे प्रोड्यूस किया है। 'माइसा' हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

# मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। बातचीत में रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, 'मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए।' उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।'' रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।'' उन्होंने कहा, ''एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।'' रश्मि ने कहा मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं।

# मेरे लिए 'लुक्खे' में गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है

म्यूजिकल एक्शन-ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' पंजाब की गलियों, वहां की आपसी प्रतिद्वंद्विता, जबरदस्त एक्शन और रैप संगीत के शानदार मेल को बखूबी दर्शाता है। इसकी कहानी एक युवा एथलीट लकी के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी दुनिया में तब मोड़ आता है, जब उसे ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पंजाब की खतरनाक रैप दुनिया में कदम रखना पड़ता है। जैसे-जैसे वह इस अंडरवर्ल्ड के भीतर जाता है, वह न केवल अपराध बल्कि प्यार, परिवार, पछतावे और दोस्ती के जटिल जाल में फंस जाता है। ट्रेलर एक ऐसे सफर की ओर इशारा करता है, जहां एक खिलाड़ी को अपनी नैतिकता और मिशन के बीच चुनाव करना पड़ता है। इस सीरीज के जरिए रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। सीरीज में अभिनेत्री राशी खन्ना पुलिस अधिकारी गुरबानी की भूमिका में नजर आएंगी। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'यह सीरीज केवल रोमांस और रैप बैटल्स के बारे में नहीं है, बल्कि उस धुंधली सीमा के बारे में है, जहां सही और गलत के बीच फर्क करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है। क्योंकि भले ही मैंने कई भाषाओं में काम किया हो, लेकिन पंजाबी मेरी असली जड़ है। गुरबानी एक ऐसी लड़की है, जो अपने अंदर बहुत सारा अनकहा दुख समेटे हुए है। वह अपनी आवाज ऊंची नहीं करती, लेकिन उसकी मौजूदगी स्क्रीन पर गहरा असर डालती है। वह एक कोमल लड़की भी है और जरूरत पड़ने पर एक तेज-तर्रार पंजाबन भी।' राशी ने स्क्रिप्ट की सराहना करते हुए शो के निर्माता अग्रिम, डेबोज और निर्देशक हिमांकर का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस जटिल कहानी को खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है।

# इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है

**पंजाबी फिल्मों और बॉलीवुड में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिर से अपनी एक पंजाबी फिल्म 'पिट्ट सियापा' के साथ लौट आई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में काफी कुछ बताया।**

**आपकी फिल्मी सफर बहुत ही दिलचस्प रहा। आपने मॉडलिंग भी की है, साउथ में भी काम किया है और पंजाबी से लेकर बॉलिवुड तक में काम किया है। आप अपनी इस यात्रा को कैसे देखती हैं?**

जब मैं अपना सफर देखती हूं, तो कभी सोचा नहीं था कि यहां तक पहुंच जाएंगे या ज़िंदगी में कुछ कर लेंगे। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो सोचती हूं कि आखिर कैसे हुआ। क्योंकि मैंने सारे डिसीज़न तो सही नहीं लिए। जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, आपकी कोई ट्रेनिंग नहीं है, कोई आपको गाइड करने वाला नहीं है, आपको पीछे से सपोर्ट देने वाला नहीं है, तो आपकी एक गलती भी आपको बहुत पीछे लेकर जा सकती है। मुझे लगता है कि मैंने ऐसे कई फैसले लिए जो शायद नहीं लेने चाहिए थे, कई जगह हां बोला, जहां ना कहना चाहिए था। लेकिन वही है न कि आप अपनी गलतियों से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। तो बस मुझे यही लगता है कि मैंने बहुत शिद्दत और ईमानदारी से काम किया और लोगों का प्यार मिलता रहा। तभी तो इतनी सारी गलतियां भी माफ हो गईं। कई प्रोजेक्ट्स जो शायद नहीं करने चाहिए थे, वह भी ऑडियंस भूल जाती है क्योंकि ऑडियंस को आप अपने लगने लगते हैं। इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था मैं यहां तक पहुंच जाऊंगी।

**आपकी फिल्म पिट्ट सियापा का कॉन्सेप्ट बहुत दिलचस्प है। क्या आप कभी ऐसी सिचुएशन से असल ज़िंदगी में भी रूबरू हुई हैं?**

समाज में जब आप रहते हैं तो आपकी जिंदगी में कभी ना कभी तो होता ही है कि जब आप किसी के फ्यूनरल में जाते हैं। मेरी भी लाइफ में ऐसा हुआ है। मुझे पक्का यकीन था कि मेरी पहली फिल्म के बाद मुझे कोई काम नहीं मिलने वाला। पता नहीं कैसे मुझे पंजाब 1984 मिली, जिसे नैशनल अवॉर्ड मिला। उस फिल्म ने मेरे करियर का ग्राफ तो चेंज किया ही, मेरा सोचने का तरीका भी बदल दिया। और वहां से मैंने सोचा कि अब मैं फिल्मों में ही काम करूंगी। और वहां से यहां तक के सफर में बहुत कुछ मिला, जो कि बिल्कुल भी आसान नहीं था।

**आपकी फिल्म में डायलॉग है जिसमें आप कहते हैं कि दिलजीत दोसांझ जिंदाबाद थे, हैं और रहेंगे। आपने तो फिल्म बॉर्डर 2 में साथ काम भी किया है। उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा?**

बॉर्डर 2 दिलजीत के साथ मेरी दूसरी फिल्म थी। पहली थी पंजाब 1984, उनकी भी सफलता बेमिसाल है, पंजाब में दर्शकों का दिल जीतने से लेकर भारत और अब एक ग्लोबल स्टार बनने तक। मैं जब भी उनकी तरफ देखती हूं तो यही अहसास होता है कि लाइफ में हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए कि अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो मेरे साथ भी हो सकता है। दिलजीत वाकई बहुत मेहनती हैं और बहुत फोकस्ड भी हैं।

## पंजाबी सिनेमा ने अपनी पहचान बनाई, इसकी क्या वजह मानती हैं

मैं आपकी इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि लोग पंजाबियों को बहुत प्यार करते हैं, उनकी भाषा लोगों को बहुत स्वीट लगती है, बड़ी अपनी सी लगती है। संगीत में भी, कोई नॉन पंजाबी भी है, तो भी हर एक की प्ले लिस्ट में पंजाबी गाना होगा। पहले तो लोग कहते थे अरे ये डांसिंग डांस वाले गाने हैं, लेकिन आप सतेंद्र सरताज जी के गाने सुनें, वह जब मुंबई या पुणे में कॉन्सर्ट करते हैं, तो उनका कार्यक्रम सोल्ड आउट होता है। वह कोलकाता में करें, मुंबई में करें या पुणे में करें, बहुत सारे नॉन पंजाबी लोग उनके कॉन्सर्ट में आते हैं। तो शायद ये मेहरबानी कुदरत की है कि लोगों को इस भाषा से बहुत प्यार है, इस कल्चर से बहुत प्यार है। हिंदी सिनेमा भी बहुत समय तक पंजाब से जुड़ी कहानियां दिखाता आया है, तो लोगों के अंदर वह प्यार बना हुआ है। अभी पंजाबी इंडस्ट्री दूसरी फिल्म इंडस्ट्रीज़ की तुलना में बहुत नई और काफी छोटी है। इस इंडस्ट्री में अच्छा करने की बहुत संभावनाएं हैं। हम कोरियन सिनेमा, फ्रेंच कॉन्टेंट या इस्राइली सिनेमा भी सब-टाइटल्स के साथ देखते हैं। तो थोड़ा सा जो बैरियर है भाषा का, वह भी कम होता जा रहा है। मुझे लगता है कि ये भी एक कारण है कि लोग पंजाबी सिनेमा को इतना प्यार करते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।